नारदादिसेवन
पारदविसदप्रकास सारदविधुवदनीकरेहिं
सारदावास॥१॥वेदकरतऋ्रालसलषतवडोग्रंथ
अभिराम नाकोछोटोकहदुमैवेदरतनयहनाम
॥२॥अथनारीपरीक्षा॥
प्रथेकोर जेअंन्हाअंनुरतहीनारीज्ञानुनहोइ
३ हाथअगूंगनिकटहीनारीजीवनमूल
पंडितदेहकोजानेंदुषसुषसत्त ४ नरकोकर
दाहिनोतियकोकरबांम ताहिवेदजननि
षिकेंनारीकोपरिनाम॥५॥संप्रदायपोथीनिसें
अरुजनभोसोजानि नारीलछिनवेदपुनि
पदिकहेवषानि॥६॥
नकरिअंन
आदिमद्धिअरुअंतते
रीती निबिधियानारी
भांतिसमचलैरीबा

चपलकागमंडूकलवगतितबपितबषानि ॥ ऐ
मूरककूतरपडुकुत्तोरजहंसतमचूर ॥ इनि
कीगतिनारीनिरषिकफजानौयहमूर ॥ १० ॥ ब
रबारमंडूकगतिबारबारअहिगैन ॥ बातपि
तकीनाटिकापंडितजानैगैन ॥ ११ ॥ शरपहर
गतिसमचलैनारीतबकफबात ॥ सिंहहंसग
तिपितकफनारीतबयहघात ॥ १२ ॥ रहिरहिक
तुकाठकोकठफोरकरिसोर ॥ योनारीतब
जानियेसंनिपातकोजोर ॥ १३ ॥ तीसवारत्व
फरकिफिरिनारीरहिजाइ ॥ तबयहनिहचै
जानोयेरोगोनहिठहराइ ॥ १४ ॥ रहतीनफिरि
फिरिचलैनारीबारंबार ॥ तबरोगीकेप्रानसो
इयहैनिरधार ॥ १५ ॥ [illegible] ॥ जिह्वजिह्वग
कोटलकुटिलव्याकुलव्याकुलफिरि ॥ रहि
हिनारीचलैजाइसुछिमहेफिरिगिरि ॥ फर
कारमझारनितनारीवहकवहं ॥ चलिचलि
गरोक्कौयेवहुरिनारीवहतबहं ॥ इनितुक
मा ॥ वबहत्तोवहरिनारीकेतेनिरोषेनिज
सैं ॥ साध्यनारीनिरषिसंनिपातवुधकर

गतिहोइमातिगीतहोइ
निचिंत १६ पहलपित्तगतिहोइमेदुकहिदयौ
वहरिवह कफगतिनारीहोइमेदुकहिदयौ
वुधियह वकवढोशीकि थाननारीमपनै
नति वहतमथानकोहोइमोरिगतिचलैवह
रिसजि होइजाइरुमवहुरिजानिपरेन
कियेपरस इहमोतिहोइनारीजवहितवग
साध्यकहियैनिरस १७ नारीफरके
मासमधिवहगंभीरवषानि नारीजुरके
जोरतेकुपतिदुष्टगतिजानि १८
कामकोपतेचंचलनारी चिंतारोगछीनति
धारी छीनधातुमंदागिनिनारी
कीनारीमंदविचारी १९ लोहू
जांवविकारतेगरुईनारीहोइ उदरगु
गिनिगतिचपलतवहलकीलहु
लहुजानौएक मूर्छी
२० कियौविवेक
चपल मुनिजनकियौविवेक
घरजानौये २१ दपह
मानहुमललगिचंचलनारि
कैनरएकदिनमुनिजनकियौ

२२ जैसेडोरुचलतिहैयोनारोचालि
जाइ जाकीनरवह एकदिननोठिनोठठ
हराइ २३ [illegible]
[illegible] दरकोजोरीघरघरीजोभपवनक
हिदेत लालस्यामवहपित्तेतकफतेपीछ
तसेत २४ सुषीकरीकंटकितसंनिपातक
हिदीन मिलवांलछिनहोइकेगसुभसुलछि
नहीन २५ नेत्रपरीछादोहा रुषेवचलधूम
रभीमजरतसेनेन निहचेनववहजानियेवा
तरोगहेजेन २६ दीपसुहाइनसंततपरीतेनेन
नबपित्त गीलेचिकनेतेजघटिमंदजानुकफ
मित २७ बाइपितकफबातकेकेकफपितमि
लित तबमिलवांलछिनकेहैनेनवरनलषि
मेत २८ कोरटेदमोहऔरुभीमजरतसेनेन
तालभयानकनेनलषिकेहेत्रदोषनिगेन २९
आषिभयानकएकऔरुवहहैजोमुदिजाइ ता
त्ररोगीदिनतीनिमेजमकेघरठहराइ ३० जोरे
गीकीतुरतहीलोचनजोतिबिहीन औरुजेनुका
होइतोजमसेवककहिदीन ३१ चौपई जा
आंषिजलदसमकारी लालोकेहोइरकत

अनहारी चितवतलै ॥ ध्यानकमारी तातैगी
कौमौचविचारी ३२ दोहा भ्रमतेद्रगतातेफि
रेएकाहिष्ठिनिहिचेत एकरातिमेजनमनगरमगु
रोगोमाहिरत ३३
गोदनासनिसिहोइकंठकफजबभरिआवे हो
इदेहमाधिदाहचैनपलुएकनपावे बातकहत
तुतराइहोइलघुसुद्धिसभारी इंद्रियमनेवल
रहनसकातिनहिजाइविचारी होइजाइरोगी
मुइमितुरतरोगसाधीनजब तामहिविचारि
सौघटिकहतरामनामतजिकामसब ३४
जातेसवहीरोगकोउ
रहजासिरदार तातेपहलैकहतहौसवतुरथ
कोअधिकार ३५
कंपबेगकंठमुखगोठसूषनोदनासुद्धोकहन
गोवेगोरदेहमैरुणाइजौ संगहोयेमुइपीर
वदनबिसमहोइगाटोबोढिबातवेदनाहग
तिजानिवौ बदनकपाइगंगफुरीयाकरनेना
हउलसादुबिसलेषहोइजानुसाधिकौ कंम
भ्रमहतलौह्रषसुसूपोकासवमनजोहोइ
वौटिमूत्र
वातहुरइमिजानुतौ ३६

नेनाअरु नप्पासप्रलापअलाइ॥सलअफरिवोवांत
जुरलछिनयहइआहि॥३७॥[illegible]
[illegible]॥तीछनवेगजोरअतीसार॥अतपनीदउक
लेदअपार॥कंठओठमुषनाकवषानैं॥निनिकोपवि
वोयहमनआनै॥३८॥स्वेदप्रलापवदनकटुत्तांई॥
दाहमूरछांव्रषावताई॥भ्रममदपीतनेनंमलआदि
पित्तज्वुरलछिनकरियादि॥३९॥[illegible]
[illegible]॥नेहैचलअंगवेगपतराहि॥मधुरवदनअ
लसठहराहि॥मलअरुमूत्रसेतरगहोइ॥तंभत्रपतिअ
नोयेदोइ॥गुरतासीतअोरउकलेद॥रोमहर्षनिद्रायह
भेद॥फुरीयाअंगसीतपरसेका॥कवइतंद्राछिरदिविवे
क॥४१॥तातीवस्तवहुतमनभावे॥मंदपेटकीअगिनि
लषावे॥पीनसअरुचिसेतदृगकास॥कफज्वुरकोयह
कहोप्रकास॥४२॥त्रषादाहअरुमूरछाआदि॥नी
दनआवेमूडपिराहि॥भ्रमजुषकंठसोषुअधिकाहि
रोमहरषवमिअरुचिवताइ॥४३॥गाढिगाढिउपजे
अतिपीर॥मान्नोलगेविसारेतीर॥मोहहोहिअरुहो
हिअलसाहि॥वातपित्तज्वुरीतिवताहि॥४४॥ [illegible]
[illegible]॥निहचलअंगनीद[illegible] गाढिनि

गाठिनिपीरवटोवे पीनसहोइ होइगरसकार
मूडपिराइपसीनानास वेगहोइसध्यकीन
हिसोर देहसोकसंतापकठोर गेलेलछिन
लेवेउनसीने सेरंपेटकौसूगनिबधाने यु
लिबिरितिविरिसुष्कर
वोहेइ तेहामोहसुगरुयहोइ कासगलवि
गलतागैप्यास फिरिफिरिहोइदाहपरगा
स गलफिरिफिरिजाडोलगिजावे रोगोप
लो भ हिचैतनपावे सुगटहोइजवलछिनय
है पितकफजुरलछनवलेहि
छनमैजाडोछनमैदाह मूडपिराइ
नहोइनिवाह संधिसंधिहाडनिमेपीर नै
ननिमेमलिसोठेनीर टेढ़ेंवतुपेनेइमि
लाल भरिसोंघेहै मनोगुलाल करना
हगहकानपिराइ कंठकेहोइकेठमरिला
इ नद्रामेइबलापबकास खासगरधिके
मउपजेजास जोमूहरहेजेरेसमान सि
थितहोइसकोंगनिदान पर कफलोहउते
सुवपित धुनैसीससुषपावेचित नीदनास
बिसगोधिनारे हेयमेहोइपीरोनीहरे

ग्रावैग्रलसपसीनाग्रंग॥थोरैनीतिमूत्रमल
संग॥५२॥देहदवरह्मधिकनग्राइ॥यनसेमकुंव
पनोथहराइ॥देहदहोरकोरलात॥मेडिलहो
इकिवहुतविसात॥५३॥पकेकानमुषवोलनग्रा
वै॥ग्रधिकउदरमधिवोभवतावै॥जाडोलगैस
वैदिनसोवै॥ग्रसेजागतसबरीनिसिषोवै॥५४॥
रैनिदिनासबजागतजाइ॥बहुतपसीनाकेन
हिग्राइ॥हसिहथिनाचैगावैगीत॥लीलानिर
षिहोइमनभीत॥बहुतकदिनारोगपविजाइ॥
सनिपातजुरलछिनग्राइ॥५५॥ग्रथ जुर लछ
न॥दोहा॥जुरमैलंघनप्रथमहैमुनि
जनदियोवताइ॥कामसोकभयकोपछुथवात
जुरहिवुवाइ॥५७॥चौपई॥वातजुरग्रलकफ
जुरवारो॥भषोहोइजुबहुतविचारो॥ग्राम
ननारीवालकप्यासो॥बूढोग्ररुडसयेकाषा
सो॥ग्रहदुर्वलइनमधिगुनताइ॥ऊरधवात
होइगुनिजाइ॥इतनौरोगीवुधगनिलेइ॥लं
लंघनकरननकोग्रनेदेइ॥५८॥चौपई॥लं
घनमासकरलहैदोषसहितवहग्राइ॥दोषग
गौफिरिकैसहंलंघनकरीनजाइ॥६०॥सात

रातिमेवातउरपितउरदसूराति कफसुर
वारहराति मेपकत केहतेसुनिआति ॥ सो
तराति लेतहैनउरवारहमधिमजान ॥ सा
तोवारहराति जोरैनउरमनमान ॥ पा
तपथानकवहुतैहयारहहोहरैउखान ॥ पा
सेकोकहुदेजोथियहइलातनिदान ॥ मे
जुग्यासेतेहोतुहैसोहलेठहेखान ॥ तातेश
सीकेनउधकरजेजलकोपान ॥ ॥ दो ॥
तेनरोगनउरमेंडलतेग ॥ उदररोगकोलछि
परसंग मंदागिनिमलगलविविचारि
सुषकरिवोपीनसनिरधारि ॥ छयगरहये
छरोगनधिरिवेसो ॥ सोराग्रसवकरमेहउ
तेसो ॥ इलनैसोगजाइलछिपावे ॥ नाइउन
उमेनौरथिवौ ॥ ६ ॥ दुरछाव
हमहागरमीपुनिपित्तनेनोनिहेसोदुष
पावै लहवैगनिलिहैउसमकेछाह
लेतोकहुजीसोनमेदे पित्तकरकेह
हेकोजोरविधामेतेमहुरसोरजाते
होतहैरोगइतेनरसोकहताइहसीतल

नीरपिवावै ॥६९॥ चौपई ॥ पीनसअरुस्तनजु
रजानि ॥ औ दगहलग्रहरोगबषानि ॥ पीरपसु
रीयाकोकहिदेउ ॥ संग्रहनीपुनिमन्थरिलै
उ ॥६८॥ आधमानअरुअहचिबतावै ॥ पित्तबि
थाअरुकफचितलावै ॥ गुल्मबिबेककासअरु
स्वास ॥ बिदर्धिरोगसुहोहइकास ॥ छर्द बार
बारहिक्वाजोहोइ ॥ सहपाननरकरैजुकोइ ॥
इतनेरोगजाहिलपिपावै ॥ तोकोतातोनीर
पवावै ॥७०॥ अथउष्णोदकदोहा ॥ औटैतेज
निरमलोउर्धरेफेनविहीन ॥ आधोबाकी
जवरहैउष्णोदककहिहीन ॥७१॥ स्वासकासध
ज्वरमेदकफवातआमभिदिजाइ ॥ सोधेवस्त
हिअगिनिउष्णोदकगुनगाइ ॥७२॥ चौथोअ
धौगाठओगंसघटैकैनीर ॥ उष्णोदकलछन
कहतकैतातेबुधवीर ॥७३॥ [illegible] ॥ बरनहीं
नजलबातनसोवे ॥ आधोहीनापितछिवतो
वै कफहरतीनअंसजलहीन ॥ लघुपंचनदी
पनकहेदीन ॥७४॥ [illegible] ॥ सनपातजुरजुग
लजुरलाकोवेदनिजाइ ॥ उष्णोदकहितजानि
[illegible]िदिहरौनावैताइ ॥७५॥ [illegible]

वजलसरदयठावे चरनहीनहेमेतवनावे
प्रेमसरेतुजससोमिरेवेसेत जप्रेछदवे
यहहेतुहेमिसेत रेतुविपरेतजुवरसामावे
नवजरसनैसनगाठमौरावे वयोदकेकोस
रेसवेथान हुनेजनसवयहकेयोनिहोन
७५ तेघनतुरकोसाटिकेरिपावन
सेतुरवोव जाहसेइतुरसेतमेजातुरेहतुर
सेव ७७ सोटियन
तुरेयाहजसवेइनवाइसेइ तुरसोवेनाथे
पहसयेपावनकरेहेइ ७९ वोइकटाइतु
सतुहतुरेवेसोटिइसोर नेइवलेहसस
केनदसेइतुसोर ८० किरवारेमोयो
मिलेकोहेदेइसनाइ नोवपेयेतुरनहोव
नतुरमतिनाइ ८१ तुरकोमेथाकोइकर
मैवह्यातिकरेहाव पिनजरवोइदेतोस
हितदसमहिनह्राव ८२ नोवह्राविपुरवे
थ्रनातुसथेथेपदमाव रातेवेदनसवस
तुरहरेकुयुहुनेमाव ८३ तुवपनीसहे
जसेदेतुरनइहिरेजसहनातकदवकोय
हीकायसेजमेतुरतनिकास ८४

वीजपूरजरपीपरामूर।मोथोसोंठमिलता
इकचूर।जवाखारजुतकाढोप्यावे।कफजुर
नरकोतुरतमिटावे।पित्तपापरोगसेरुकटाइ
फिरिश्रयेगकीखवरिमगाई।फिरिचिराइतेकु
टकीवासा।क्वाथबनावेइनकोखासा।चिं
नीषांडक्वाथमेडारै।सीरोभयेक्वाथनिरधा
रै।क्वाथपिवावेरुचिउपजाइ।त्रषासहित
पित्तजुरजाइ।८५।८६।परवरदलको
क्वाथकरिमधुसोमधरकराइ।दाहपित्तश्र
रुपित्तजुरत्रषाहरनलेष्याइ।८७।पित्तपाप
रा[illegible]जावेरनीजोडारिगिलोइ।पित्तजुर
श्चयाक्वाथसोडारैनिश्चिंतमोइ।८८।कम
लगटापदमाखग्गरुलोदुसारिवाडारि।
गुरवेमिश्रीक्वाथसोपित्तजुरदेटारि।कि
रवारोगमलदाषकोकरैक्वाथजुरपित्त।केतु
लेरकेक्वाथसोहरैपित्तजुरमित्त।८९।पि
त्तजुरकेहरनकोपित्तपापरामोर।चंदनमो
थाकाकहोगसरमिलिजाइउसीर।९०।चं
दनधनीयापीपरासोंठउसीरसमान।
त्रषादाहजरवमिहरैसीतलक्वाथनिदान।

मोथागुरवैपोपराकिरवारीसुउसीर ति
भद्रकाटोकैवातपित्तज्वरपीर ९२
वफत्तामसैमरिकीछालि इनिसहिपिरि
रसनाकोथालि ९३ किरवारीगसरवासपित्त
दावसोंठि
वातपित्तज्वरक्काथ ९ कैलो
गुरवैमिलेमेलेपूहकरमूल क्काथवातके
ज्वरहरैकरिवरोचनिरमूल ९४ किरवा
रोमोथाहररकुटकीपोपरामूल क्काथकह
कफवातज्वरहरवकरैनिरमूल ९५
नीवछालिता
गुरवैकुटकीमोथालावै सोंठिइंद्रजौपरवरपान वे
मेजुमिलावै ९६ बिधिसोकाटे
ज्वरहोरैहैसुजान
जो टिउतारे तामथिपोपरिखसडारे
वेक्रेसरताएकवाटोजाइ पित्तकफज्वरया
सोजाइ ९८ परवरचंदनमुरहरि
कुटकीपाटमिलाइ पित्तकफज्वरदाहवमिके
इडोरेहोइ ९९ स्यामसिजाठीनीनफलतनी
वेसुपरवरपात इनकेकाटेतेज्वरतपित्तके
कफज्वरजात १०० लेकाउतरकौनमेजुज्वरते
सकेपिजाइ ताकोसुमिरनकरतहीज्वरत
परवरपातनी
इकतरोजाइ १

कौह्याति॥ दाघुगौरकिरवागैघालि॥ त्रफ॥
लांगौरग्रहसोडारे॥ क्वाथकरेइकंतरोबि
डोरे॥२॥ दोहा॥ सहतषांडयाक्वाथमेंडरैबे
दसुजान॥ क्वाथुदेइनवपानिकोयहेबेदको
ज्ञान॥३॥ त्रफलापुस्करइंद्रजौमोथानीब
गुदाप॥ हरेइकंतरोक्वाथयहकहौवारदस
लाघ॥४॥ हररजवासोइंद्रजोपरवरगुरवे
नीम॥ जातुरहेयाक्वाथतेंजेसतजुरग्रति
भीम॥५॥ सोठिधनागुरवेसरसचंदनमो
थालेउ॥ गहउसीरइनमेंबहुरिखेतुरजा
निकेदेउ॥६॥ क्वाथकरेइनकोतहाडोरेम
धुग्ररषांड॥ याकोटसौवेदहठिकैरेतिजा
रीभांड॥७॥ छंद॥ लंकापतिमदहरनजान
कीसोकनिवारन॥ लछिमनद्वीतिलकप्रा
नरछ्याकेकारन॥ इंद्रियजीतनहारसुभट
रछ्छसकुलमारन॥ पवनपुत्रबलवंतनग
रलंकापुरजारन॥ हनुमानकेनामकोउठत
हिजोनरनितपढहिं॥ ताकेग्रहनफेरिसुषह
रसवेहनुरजुत्रतीयकबहूंचढहिं॥८॥
सोठिहररकरुसरूवाग्पांमलूकौसालोनि
डारिग्रहसौरमिकरे

सहत सहित सो आइ
नाम हि मिश्री डारि के सहत सहित सो आइ १०
मंदाग्नि या सो मिटै चातुर्थिक ज्वर जाइ २
देवदारु वहरे व हरि सो ठिग मल सो होइ ११
हो मधि सो नि फिरि गामल कौ ये दोइ को
कोटे मे मिश्री सहत डारि मली विधि पाइ
सखा सब ठिग गिनि ग चातुर्थिक ज्वर जा
इ १२ रा गुग्गुल के पात को कादो पाथ र
कुटि ना सत इ न ज्वर जाइ तो चातुर्थिक
टटि १३ मोथा गोर कयाइ औ
ओ सो ठिगा वे रवे मोटी पीपरि सह
तडारि के पावे कादो विषम ज्वर हिन सा
वे १४ गुरुगरुजो रो मित इके पे
सामरि नित पाइ बात वेद नाल घुगि
निचातुर्थिक ज्वर जाइ १५ चूरन करे हरर
को मधु सो तइ मिलाइ विषम ज्वर के
रन को सो पादइ बताइ १६ पांच पांच यो
पीपरि पांच दूध सो खावै तो कै ते
जुवदावे सो पीपरि लो वढतो ७ खासवा
फिरि घटतो उरधे सप्त सो थ
करु धिर विकार पांडु ग्रास

पार गुल्मउदर विवमक्कुर जाइ बरधमानपीपु
रियहपाइ १८ दोहा ॥ बरधमानपीपरिमधैजे
नरयहसुखपाइ औरमढसवछोडिकै बृधमान
कीपाइ १९ भगराकीजरकानसोवाधैडोराइ ॥
जुरआवतुहैरातिको ताकोदेइविडारि २० औसे
वाधैकानसोसेतआककोमूल तासौनिहचैजे
नीयेसीतजुरनिरमूल २१ वाधैसनकेनरिकी
जस्करमेनरलाइ तासोनिहचैजानीयेसीत
ज्वरमिटजाइ २२ सोरठा ॥ सहदेईकोम
ल लावैबसनउतारि सब चातुथिकजुरसूल
जाइकानवाधैजबै २३ दोहा ॥ कोवादोकेपा
नेकोरसकोदकुटवाइ ताकोअंजनकरतही
चतुथिकजुरजाइ २४ पोपरामूरहरीतकीकु
टकोमोथाकाथ ताकेपीवतहीमिटतुआमास
य [illegible] साथ २५ दोहा ॥ कूठसोठिमसगंध
वहरिसरसोरवैसमजानि कोरेगधराकोग
मेवातपित्तजुरहानि २६ दोहा ॥ पोहाकर
मूरकोइफरलेउ काकारसिंगीपीपरिदेउ स
[illegible] डारिकेवेदचटावे स्वासकासजुरकफहि
नसावे २७ [illegible] औटपोसिमथिमैनहरि
वर तमानग्रंग [illegible] नितहरैद

परसंग २८ दोहा देहु ताकौ ग्नि गे
ताकौ पहन्तउ तानो कै फिरि कौ सेको वासन गो
न जामे धिकुछु गहगई जानै २६ वासनलपाइ
टा टै पर धरे सीतल सलिल धार तहकी सीत
तावहधावे तो ज्यो दोहा मिटत तनको सब
पोत्यो ३० पातनीम के वरके मधि उपजाव
पन फेन लगावै गम दोहा मिटाकौ नै ३१
हरस्ताव रपीपरै चित्रक सो धो नोनु चूरन मद
(remaining lines):
गि नि गुरु चित्रुर मलघन कोपोनु ३२
कर्ष एकता लीस कर्षडै मिरचे लीजे कर्ष तीनि ले
सोठि चारि वह पीपरि दीजे पान्च कर्ष भरि तहां वस
लोचन हु धरानो आधकर्ष भरिजे प्राधकर्ष
लालघु जानो मिश्री मिला खिली सपिरि कर्ष स
कलचूरन करहि गुर जार सो कफ प्रारुचि
खास छाडि पलिहारहि ३३
हरदी नाश्र मजीठ कौ कलक के धुधरी
लेहि तेल ते छहगुनौ दोहा हरदी कौ नीर ३४
छाहि कलक वह तेल मंड रे वेद पचाइ
गावे अंग में दाह सीत ज्वर जाइ ३५
नाखसुर हरी हरैड़ी दोउ लेहु दिदार निलौग

सोऊ॥तैसजीटश्रौवडीकटाई॥सेधोकूटसुतावरिभा
रुधीजटामासिकारासनाश्रानौ॥एकप्रस्थभरितेलव
षानौ॥चारिप्रस्थलेदधिकोपानी॥कलककरेलेश्रोष
दिजानी॥३९॥कलकदहीकोपानीडारि॥तेलुचढावेवे
दविचारि॥सिद्धिहोइजवतेलुउतारे॥तेलुलगावेसव
जुरजारे॥३८॥इतिश्रृंगारतैलु॥अथरसाचोपई
सोधिलेइविषगंधिकपारो॥कनकवीजसमतीन्योडा
रो॥इतनोदूनीकुटकीलीजे॥चोबलाइइकठोरोकि
जे॥३९॥चूरनकरेभावनाचारि॥काटोकेवुधदेइवि
चारि॥सबैयाममथिचूरनलेइ॥दोइरतीधैवकोदेइ
४०॥अनूपानआदोरसलेइ॥कितौजल्योरीगदोदे
इ॥महाजुरांकुसरसयहआइ॥याकोगुनसव
वेदयोवताइ॥४१॥नितजुरओरइकतराश्रा
री॥याकेषाएजाइतिजारी॥विषमजुरचातु
र्थिकजाइ॥सबजुरकोओषदियहआइ॥४२
॥तीनिदिनाकेपाचदि
नदसदिनकेरेउपास॥संनपातजुरजानिकेकरि
जीवकीआस॥४३॥दोइकटाईगोषुरूदोइव
लारेजानु॥सोनाबेलकयरेरिअरुपाडरइन

तानु ४४ कांटोयादसमूरिकोपीपरिडारिपिय
उ संनपातजुरजोरगम्रतितांकोवेगिनसाउ ४५
कुटकीसोठिचिराइतोदारुहरदसमूल धना
इंद्रजोलोतिथेगजपीपरिगम्रनुफूल ४६ येओष
दिसवको रिकेपोजैकाथबनाइ स्वासकासतं
द्राअगलक्षिदाहमोहजुरजाइ ४७
भारंगीचिराइतोइंद्रजरनिकोजरक्षालितीमकी
लेमोथबचकुटकोहरदद पीपरि मिरचवाइस
रइंगरूसोसोठिदेवदारजवासोपटोलहकेपात
दे पोहोकरमूलजायमानजुसनोनोयागुंडीचो
दारुहरदनिसोतसुगनीसुहै सोनाइंद्रजोपाठ
पाडरकटाईओरत्रिफलाकचूरसबओषदेयेज
मोके ४८ स्वासकाससूलगलहिचकोपवनबि
थागुदरोगजाकोजोरहातजधमातेहे योचिको
पिरागआगोलपिडुरीपिरावोषनिपातकोबढनि
कंठ बिथाजुनिदानहे सोधिबिथाको बिनासुक
रिपलकमेबुधजननिकोपरमनिदानुहे संनपा
तते रहोमतंगजाकेमारिबेकोकाथयहसाची
कहोसिंघकेसमानेहे ४९
हैहरदोत्रिफलावहरिकुटकोमोथालेउ
नोवक्षालिसुपटोलजरस्नतफाटाइदेउ ५०

कृमाधिकाइ वहम्रसाथ्रहुसाथसुपसाश्रजुते
मेग्राइ ६१ सोठिकेसोजोकोइ फरकुत्तथोयेस
मग्रान करनमूलकोकुनकुनोलेपहुफिरिफि
ग्राने ६२ इत्नोसोठिचितावरिग्रामे
देवदाररासनिफिरिग्राने गोरविजोरकोजरद
रि करनमूलइहलेपविडारि ६३
अकुटालोनपांचऊलेइ सोफबहारि
देजोरेदेइ लोनमारेऊलेथरे येगोमद्दले
चूरनकरे ६४ सोथोपहरे गे घिकुनोमे माथ
गम्रकुइनमथिरहेजो गोमदियेसवलेउसम
न गाद्देकेरसकोहिसुजान तारसमेयेगोमदि
सांनि सरसचलरस्रसलोटगानि डारिदल
रमेगोमदिनेउ एकहिमालेगारि देउ ६६ वोर
मद्दन मरसेग्राइ नासोभरयोहे इथवाइ
ग्रादेसोथोचिचकतोजे गहूयानजलसोथि
सिद्दोजे ६७ ओर भद्रवहरसको घो
सुनिअनहयोवताइ संनपानमूलरजको सिथ
समानसुग्राइ ६८ मानसांकहरसहे जोयेवो
चिनिकोसुनिवान रसहलाइकेदेजोथाय
इधग्रस भात ६९
स्वासरहस्रगरहचिग्रसहिरदिवमागते

सार मलवंधह्निचकीकासजरुअंगपीड सिरदार ७० येजुरकेदसजानियैकहेउपद्रवजोन कमते औषदिकहतुहोज्योपावेनखेम. ७१ ॥दोहा॥ चकुटामोथाओरकचूर पथसेगाजरुपोहोकथ म्रपंचम्लजरुलेइकटाई तिनमधिगुरमे औरवताई ७२ येऔषदिसवलेइसमानतिनकोकादोकरेसुजान यहकादोकरिकेजुपिवावे सवेउद्रवतुरतनसावे ७३ ॥दोहा॥ किरवारोदोषवडीकुटकीहररउसीर क्वाथपीपरासहितजरुहरेम्ररछापीर ७४ केनिसोतमिश्रीहररचूरनसहतमिलाइ चाटेतासेतुरतहीविकटम्ररछाजाइ ७५ बारबारसुषमेधरेसोठिमिरचकोनीर जलचिहरनकोमुषधरेनिवुवारसधीर ७६ काटोविजोरकोसरसुकेसरिस्तोनमिलाइ मधुजुतरोषवदनमेविकटजरुछिमिटिजाइ ७७ कुटकीपीपरिसहतजुनमोरपंषकीराष केगुरवैकोक्वाथुमधुरकिरदिहरेमुनिभाष ७८ वेर विजोरोकठजरदरिवारसजहीर जोमुखपतेयहहरेतुरतवेषातंभीर ७९ रूपेकीगोलीकरेवहरावेमुषनाइ ताहोसोवहजातिक

घावुजाइ ८० तजपत्रजगहल्लाइवीचंदन
दाघउसार चूरनमिश्रीसहततुतयेहचाटे
जोवुधवीर ८१ यासोक्षयाक्षेदोषकोशोष
त्तकोजाइ दाहमिटावेजुरहरैयहयाकोगुन
गाइ ८२ लेचिराइतोपापरागुरमेमोथा
डारि पाठसोंठिगलइंदुजोकुटकीताहिवि
चारि ८३ यहगणाघटिसवजोरिकेकाढैय
हहेसार याकाढेकेपियतही जाइजुरमेतो
सार ८४ गलरोमनविधिवातहरकैरजान
मलवंध तोहुनफलवातोनिसोकिकाढेमन
गध ८५ पोरेनिरमलनीरमेसोधोनोनुपि
साइ नासदेइजाकोजवहितवहीचाकिमि
टिजाइ ८६ पीपरिपीपरामूरलेसोंठिइदु
जोचूर चूरनचाटेसहतसोंकरैकासकोदू
र ८७ काढिगिलोसेकोजुरसुमहुमेमधुरमि
लाइ ताकेचाटेतुरतहीकासदूरिहेजाइ
८८ जुरविरोधुतजिदाहकोसोनेलकैरवि
धान मिटैउपद्रवजुरमिटैयहेवेदकोग्या
न ८९ सहससोलपितजगतपितुतिन
केसातमहजार तिनसेहरिगुनतिकरेत
सवजुरजाइअपार ९० ति गी मी

जनाहिनअहारहितात्रो भाख्यौ वे[illegible]रल्लवअम:
व्रकसो १ अथ[illegible]तीसारदोहा अगिनिबुझाव
तउदरकीजबबढिबढिजलथात होतपवन
आधीनमलसहितैंबहजात १ अवनलगै
मलजलसेरसजबैवारहीबार अतीसारवह
जानियेबहुविधिहैनिरधार २ बातपित्तकफ
सेकअरुआवत्रदोषजुओर ३ जाविधिसो
जानीयोअतीसारसबठौर ३ धनासोठिमि
थाबहुरिबेलउसीरजुहाथ औउसलमत
वेदहरपाचनदीपनकाथ ४ धनाआदिजे
पाचहैतिनमेसोठिवचाइ क्वाथकैरयहपित्त
कोअतीसारमिटिजाइ ५ मोथाबेलउसीर
अरुधनासोठिसुअतीस क्वाथपियैइनकोहरै
तौविवंदजगदीस ५ आवसूलअरुजुरहरैअ
रुचिरुकतअतीसार यहजानौयाक्वाथकोक
ह्यौजुगनविस्तार ६ चूरनचत्रकंकुठकोचाटै
सहतमिलाइ रकतपित्तबहुदिननकोअतीसा
रपुनिजाइ ७ [illegible] मोथाऔरउसीरकुरो
उमिलीजियै पाटधाइकेफलसुदरिवादीजी
यै चंदनलालअतीसक्वाथइनकोकरै कुटजा
ष्कअतीसारसहितयहहरै ९ रोहकरतअ.स
[illegible]

जानते तिनकैंभोवन्मारकाव्यपहचानियै व
कोगुनरूपविप्रमनकिगोतिग्यानियै २०
ग्रीष्मनीकावैसाव्रतुकैसोस्याइचावकैसेथे
कनसोपोसिमिहीगाततकैकरनको जानुनि
कैग्रीष्मनीकैपातनिकोदीनोकरिगोलताउवना
ववहरवाहोतयरनको वाधिकुसमोलपटै
माटेपुटपाककैरिकादिरम्यावैमिटिमध्य
चरनकै अथागरसुततौकोकरैसवगौरदि
यजागहरजगैतीसारकैहरनको २१
सौठिमंडकैरंगसौपोसिकैरापुटपाक रस
ग्रहैविगतीसारकोमधुजनचाटिनिकार २२
पौनौहड्डीयाडारिकैज्यौंज्यौंगौटैजात तैहौं
वहद्दुधिजानियैगतीसारथनवात २३ अ
थ नौ प गतीसारजवहोमिटिजाइ सं
ग्रहनीतिनरगरमौषाइ तासौउदरग्रनिये
हरसदु उदरन्याधिनितवग्रहनौ २४ ग्रहनौदु
पनग्रनपचावै कछुपाइकाचोनिकसावै पु
निरैसोरदुरगंधि फेरिफेरि दुख
वद २५ गतीसारवालौसदनमिटि
संग्रहनीहोइ ताकौ ग्रहितकौजियग्रथनि
मतजोइ २६ संग्रहनीकैयहैहैतछिनविर
चिविकारि इमिसंग्रहनीजानौयानकौरि

उपचार॥१६॥ सोंठिबेलसुमासमधनीअरससीं लो
निमिलाइ॥ वातग्रहनीवेदकीकोटोकरिकेप्याइ
१७॥ सोरठा॥ मोथालोधकुरैकीछालि ॥ सोनासो
ठिकटाइधातिः ॥ बेललजारुधाइउसीर॥ औरमो
चरसडारैधीर॥ आमछालिइदुबौआने। अलग्र
नीसखैइनमेसाने॥ सोरहमासेचूरनषाइ॥ चावर
धोवनसहतमिलाइ॥ संग्रहनीरकतअतीसार॥
अतीसारजेऔरअपार। तिनिकोमुनिकरिकह्योवि
चिकागंगाधरयहचूरनएव॥१८॥ दोहा॥ सोंठि
धाइकेफूलअरुमोथाबेलुमिलाइ॥ छालि
कुरैकोइंद्रजौकुटकीपाढसुल्याइ॥१९॥ मेलि
अतीसरसोतुअरुचूरनकरिवानाइ॥ चावरज
लसोंधोइकेसहतडारिकेप्याइ॥२०॥ पित्तग्रह
नीअरसऔरगुदपीडाअतीसार॥ नागरादिचू
रनहरेइतेदोषनिरधार॥२१॥ चौपाई॥ गंधि
कअफीमपारोकौडीनिकीराषविषपीपरैधतूरेसव
बीजासोघिसीजीयै॥ दसअरिदोइसातएकआठवी
सफिरिगंधिकतेकमहीसोंचंसइमिकीजीयै॥ ग्रहनी
कफपरैसतीनिरतीभरियहजीरोऔरसहतसोंषैवेक
नदीजीयै॥ उदरअनलवेटेसंग्रहनीअतीसारआम
सयरोगनिसोमतिकोकह्यौजीयै॥

एक ओरसव औषदैं संग्रहनी कौं जानि एक ओर ज
तौं मद्यावहमु निवचनप्रमान २५ वैद्यतह
तौं मद्यावदाव बघौज हातौं मल पुनि आवे क्रमहौं
तौं मदावदाव बघौजहा तौं मलपुनि आवे क्रमहौं
क्रमपुनिमदाछुटावे तवरोगीको नाग्रुषवावे २६
वातपित्तकफसहजतें तौं ह
ओरत्रदोष छह प्रकार गुदत्रवलि मेहोतु जरस
कोपोष २७ दोषहदः प्रवहु भातिको मदमासज
रुषात्त गुदमाधिजकु रमासकेकरे ओरसयहग्रा
ल २८ एकटकाभरिमिरचैलेइ संठेदो
इटकाभरिदेइ चित्रकचारिटकाभरिआनौ ओ
ठटकाभरि सूरनसानौ सवचूरनसमगुराफिर
डारि बाधे गोली गातसवारि यहप्रसिद्धिफ
लमोदकजानौ याको फलपुनिसांचुबखानौ
३० उदरअगिनिको होइ प्रकास गुल्मरोगको
विनास स्नीपदरोगनपावेचैन औसरोगको
वेकौन ३१ पैसाभरि लाइचीलेउ दोपैसाभ
रतजफिरिदेउ पत्रजपैसातीनसमान चारिभ
रोगजकेसरि जान ३२ मिरचपांचपैसाभरि
हो छहपैसाभरिपीपरिजोहो सोंठसातपैस
भरि घरै सवओषदिलैचूरनकरै ३३ सवचू
समामिश्रीडारि रोगीचूरन हारविचारि औरु
अरुचिहियरोगनिहरै गुल्मउदरअगिनिवै

करै ३४ सूरनचूरनसोरहभाग आठभागचि
त्रकअनुराग चारिभागसुंठीकेदेउ एकभागमि
रचैपुनिलेउ ३५ सबग्रोषदिचूरनकोग्छांन
चूरनलेकोरगुरसमसानै गोलीकरिप्रातउठि
षाइ अरसजाइनहिहोइलषाइ ३६ [illegible]
जैपीपरिडारिकेमठामधुअभिराम तोनर
ह्योसुनिहोकहोअरसदोषकोनाम ३७ [illegible]
कोटहूरनकोहोइ जैसेवोहोषेरको अरसहू
नकोहोइ तैसेभिलवाअरकुरो ३८ [illegible] सो
रहहरदोलागतत्योपरमदविलात सांठिचि
कत्योगतत्योसुदकेसुरसात ३९ [illegible]
[illegible]

दनकौनीचूकोरसडारि क्षुधाबोधहि मिनाम्रति
गियैसरसविचार ४६ सवाटकरसप्रातहीसंजमसैं
नितथात भूखबहुतया सोबटैसहअग्नजीरनजात
हरसपीपरै सोंचरलेउ चूरनथोरिझा
४७
हिमेंदेउ कैतातेपानीसोंधोरी जानिदोषगतिदी
जैथोरी ४८ मिटैअजीरनअरुचिमिटाइ उदर
अगिनिबढतीअधिकाइ आधमानअरुगुल
मनरहै वातसूलकोऊनपुनिनिवहै ४९
सोंठिमिरचपीपरिअजमोदासोंधेजीराहोऊ यु
नकैअर्ध्योहिंगसोहीगधुजिलैसोऊ भातय
वैभोजनपहलेजुरनवैरमवावै वातरोगनेडुरनं
लिउ
सावैउदरहिअगिनिबढावै ५०
कसोंधोपीपरेहरपी लिखाइ उसोदक सो
प
मासयुतअनअजीरनजाइ ५१
निचोरि
कीजरीरीलावेतोरि पाचसेरसलै
तीनिटकहींगपुनिलेइ हींगभुनि
इ ५२ पीपरिसोंठिमिरचअरुराई
हिनिमाजवताई
लोगैवाहिहिंग ५३
रसमधिडारिदकोईरु
रै भोगैबोहिगाडिपुनिधेरै

सा॥ बीतेदिनाएकअरु बीसा॥ सीसीकाटेतबे सुजान॥ सि
द्धिहोइजस्तीरसंथान॥५५॥ एकअधेला भरिरसघारि
सकलअंगीरनदेहिवहाइ॥ विथासकलकीतनकनरहे
वाटेभूषषाढ़ियहकहे॥५६॥ [illegible]
[illegible] एकभागहींगलेआउ॥ दो
इभागवचताहिमिलाइ॥ तीनिभागफिटिपीपरिडा
रि॥ आदेोचारिभागनिरधारि॥ पाचभागअजवाइनि
आन॥ हरर भागछहतहांवषान॥ सातभागचित्रक
फिरिलेइ॥ आठभागकुठिलिदेइ॥५८॥ चूरनओव
रिजोरिबनावै॥ दहीछाछिसोंघोरिपिवावै॥ तातेजल
केमदिगसंग चूरनपाइतबेरहेरंग॥५९॥ पलिनाइ
स अनीमनओउ॥ उदावतकरिहेनहीनाउ॥ बातरोग
गवेदनिविधजाइ॥ चूरनगमगनिमुखघाइ॥६०॥
[illegible] टिकाइदोला॥ सोठिपीपरहररअरु
चित्रकवारिविरंग॥ भिलवांवचगुरवेसवविषिकरवेह
रसंग॥६१॥ पीसिगाढ़केमूतमेंऔषदिसवेसमान॥
चतुरवेदगोलीकरेगुंजाकेपरवान॥६२॥ एकअनीर
नकोकहीविसूचिकाजानि॥ तीनिसापकाटेतबेसनपा
कीवारि॥६३॥ अदेकोरसलारकेताकेसंगषवाइ॥
[illegible] काजु सजीवनीजीवेचितलाइ॥६४॥
[illegible] पीपरिकनासे
ररवेनसमर्थाउ [illegible] चूरनकरे
[illegible] ६५

संगके सौठि संगके से घोसगपाइ हरररो
जनिरनै बहुत रोगत्र दोषनसाइ ६६ जवापु
रसमसौठि लै पातघोउसौपाइ मूत्रवद
ग्रहसिविबंदे ग्रंनुतुरतपचिजाइ ६० हरर
पीपरे सौठि येतीन्योसमलेपाइ उदरग्रं
गिनिवादे जबैवहुत रोगनासिजाइ ६८
सौ थौ पी परामत्र ग्र्रुपीपरिचावमपाइ चि
त्रकसुंठि हरररयेइनमेदइमिलाइ ६९ रक्त
रक्तकमतेसकलइनिकोमागुवदाइ
ग्रंगिनिवढावनकोपुरिषहैवटवानलपाइ
७० पीपरिसौठिनियोतुह
रसौचरनैजावै येसवलेइसमानकूटि
चूरनकरवावै चूरनपाइप्रभातहोइरुचि
ग्रगिनिवढावे प्लीहागुल्मनरहैहोइवल
यहलैजावे स्वाघमानमिटिजारपुनिउद
रग्ग्रस्सविषनास्यम चूरनमुनिनिकीनी
सरस्यइहस्वभावयहपंचसम ७१
सौधिरकाभरिगंधिकलेइ
सौधिरकाभरिपारौदेइ दोइटकाभरि
रमिलावै तीनिटकाभरिसौठि तावै सौं
धौमिरचैपीपरिलौजौ मजवाइ

दकरीजो॥चारिटंकभरिविजियाडारि॥नि
बुवाकपुटदीजोचारि॥फेरिफेरिपुटती
नदिवावे॥निबुवारससघामसुषावे॥पलरम
घिसिरतीसमान॥गालीवाधेवेदसुजान॥हो
तुअजीरनअरिहमिनाम॥रसताकोयहगुनप
रनाम॥दीपनपाचनरेचनभारी॥दूनोघाइभूषअ
धिकारी॥७५॥अथविसूचिका॥दोहा॥सूचीस
मवेदनकरेपाइअजीरनवात॥वेदविचित्रविसू
चिकातीहीसोकहिजात॥७६॥तरऊपरनिकसे
नहीअनबातकफदुष॥तासोकहतविलंविकाक
हैवेदगुनपुष॥७७॥कूठचूकसेंधोकलककरिके
चुरवेतेल॥पस्तोसूलविसूचिकामिटैलगावैपे
ल॥७८॥सोठिमिरचपीपरिहरदकंजविजौरोम्र
ल॥अंजनकरीयेछांहिसोमिटैविसूचीसूल॥७९॥
वचअतीसभगराहररहंगइदुजोआनि॥सोवर
लोनमिताइकेचरमकरीयेछानि॥८०॥रनतुस
केनीरसोघोरिजवेवहषाइ॥सूलविसूचीअरुचि
अरुतुरतअजीरनजाइ॥८१॥अथअरुमिरोगद॥हो
रदयरोगउरकासमरमवातवेगजतोसार॥किचू
वोअपजेपेटमेयहलछिनानिरधार॥८२॥करिदरि
वाकीछालकोक्वाथमेलितिलतेल॥षाइतीनिदि
नगिरिपरतोकचुवायहषेल॥८३॥वासक्तवसो
वाटिकेपुरासानकीप्रात॥अजवाइनिगरपाइके

सेवेकेरक्तमपात ८३ रसपलासकेबीजकौकैमधु
केसंगषाइ केबिडंगचूरनसहितक्रमकोसो षदिस्न
इ ८४ ग्रं पां रो दो स्वासकासपौरनयक्त
पौरनषत्तनषात्त बवनसोयथोरोगुगिनिपांडुरो
गकोषात्त ८६ क्काथपियैदसमूलिकोसोठिकण
क्तनडारे गतीसारकफसोयजुरकैरपांडुनिरवार
८७ केत्रफलाकेनीवरसकेगिलोइमधुमेलि दार
हरदमधुप्रातहीषाइकामलठेलि ८८ रक्तपित्तउ
पचार तोक्तनकहुषारोगमलरसवहजा
रतपित्त पित्तजरावतरुधिरकोयहसुनिमेरमित्त ८९
गुदमुषनासराहहीत्लोहबारबार निकसेतासो
कहततेहरक्तपित्तनिरधार ९० फूलकुमेरकेहरर
गरसकसमरएकहजूर दाषषाइजोसहतसोरक्त
पित्तकोरदूरि ९१ षाइगनरसेकोजुरससहतवराव
रडारि सेतिलबुझावतगेगनिसोरक्तपित्तकौ
मारि ९२ चंदनउसोरलोदकमलके
सरकेमरलमिगीबेलमोथाषारहमिलाइले पाठ
नागकेसरिमेटेनावाशेकुरोधाश्रादोलगतोसग
टाइनमपिसाइले दरिवाकोबकलामजीठछोटी
लाइचोरसोतगुठलोगामहकोमोचरसजाइले
जामुनिकोसारनीलकमलसमानभागगामदि
पिसाइरसवचूरनकराइले ९३ चावरथ
वनसहतमेतामेचूरनसानि वाइप्रातहीकहते
हैताकेगुननिवषानि ९४ रक्तपित्तजुगरस

दग्धा मूरछा जाइ॥ अतीसार अरु छिरदि पुनि याँसों उ
रतन सा इ॥ ९६॥ गरभ गिरत याँसों रहै अरु जो हूथ किनाइ
तातें चूरन निय निकों बहु हित दियों बताइ॥ ९६॥ अथ कास
रोग॥ प्रान वाइ ऊपर जवे मिलि उदान सों जाइ॥ कंठ ना
भि षेंचन हृदय: तवे कास अधिकाइ॥ ९७॥ पंचमूलि को
क्वाथ करि पीपरि चूरन नाइ॥ खाइ प्रात उठि तौ तुरत वात
कास मिटि जाइ॥ ९८॥ हर रसौं पिपीपरि मिरच गुर मैं राषि
मिलाइ॥ दीपन पाचन कास हर गोली दई वनाइ॥ ९९॥
मोथा रोहिस काइफर हहर र भारंगी लाइ॥ काकरासिंगी सों
ठि वच देवदार सु मिलाइ॥ १००॥ धना पोपरा उरिकें करि
काटो हितु जानि॥ पीउ वात कफ कास कों होग सहत सों
मानि॥ १॥ कंठरोग मुखरोग अरु सूल रोग अधिकार॥ हिक्का
जुर अरु स्वास को मारन कों सिरदार॥ २॥ जवाषार आधो
करष आठ करष गुरडारि॥ गोली मासे चारि भरि करि कीरि
मुष मधारि॥ ३॥ एक करष लेपीपरे मिरचें करष प्रमान॥
दारिवा के वकला करे करष दोइ सु निदान॥ ४॥ गोली कर पर
भात वजितने हैं सव कास॥ यह तुम निश्चै जानीयो तितने है
इ निरास॥ ५॥ सोरह मासे जाइफर सोरह वाके फूल॥ सोर
ह भासलोग ले ये है वात को मूल॥ ६॥ चारि टंक भरि सोंठि
ले मिरचें मासा एक॥ मिश्री चूरन सम कहो इहि विधि करयो
विवेक॥ ७॥ कास स्वास पर मेह जुर अरु विष्र गिनि अति मंद
[illegible] कनि गन [illegible] फंद॥ ८॥

षघृतमिश्रीपीपरिडारि मधुसौगोलीबांधिकै
गधिक
पाइपित्तरैदटारि ९
कासज्वरबटतिहैतवउपजतिहैस्वास हिचकी
काहीहैतसौताम धियाकोवास १० सौठिमिरच
पीपरिहरर गोलीकरिमुषमेलि ४८रगगिनिग
रुकासमुनिस्वासरोगदैठलि ११ कायकरौदस
मूरिकोमेलोपहुकरमूल स्वासकासपथरीविथा
सूत्तकैरनिरमूल १२ मोथासौठिहररगुरगोली
धरिमुषनाइ एकबेहैरोराषिमुषस्वासकासनसि
जाइ १३ कुहडाकीजरपीसिकैतातेजलसौपाउ
स्वासकासदारुनमहातूनरतुरतनसाउ १४ आ
दैकोरसकाढिकैतामेसहतमिलाउ स्वासकास
कफहरनकोयहऔषदिनिपाउ १५ सौ
ठिमिरचपीपरैलौजौ कांकरासिंगीबकुटादोनौ
जटामासीअरुत्रफलागसानो भारंगीपचलौन
सानो १६ पहुकरमूरकटाइधरे इनसबहीकोचू
रनकरे तातेपानीसौयहषाइ स्वासकासकफबा
तनसाइ १७ गुरग्ररुकस्वौतेलसमएक
वीसदिनषाइ यहतुमनिश्चकरिजानीयो स्वासन
फिरिनियराइ १८ पारोगोरगंधिकदे
हागोविषमनसिलटंकटंकभरिसोधिगोघदिये
लौजिये आठटंकमिरचैलेएकएकमिरचयोहा
ल्हरैमेडारिसबचूरनयहकीजियै फिरिकैनकु

षटकटूकोमिलाइचूरनसीसीमाभकधरिपानसंग यहदीजियोरतोएकस्वासकोकुठारकासस्वासकफ संनपातमोहऔरजडीसोदीजियो२१ग्रंथहि कमादोहा सारकवंधनउस्नगुरसीतलरूषोषद्दो सीरैपानोदूधअरुधुवाधामवताइ२०सीसवौग त्तेबोवकुतराहदौरिवोऔराास्वासकासहिचकी निकयेहेइतनेठौरा२१ासोरठा मधुसोचरकेसंग पियेविजोरेकोजुरस हिचकीजाइसुसंगऔषदिक रिदीनीसरसार२२ादोहा सोठिपीपरेंआवेरषइये मधुकेसंगाहिचकीकोयहदूसरिऔषदिकहीमनि गार२३सोठिभारंगीद्वैपिवेतातेजलसोघोरिाऔष दिकहिदोनोसरसहिचकीडोरेतोरि२४ग्रंथषइ रोगाजातिकफअतिसंभोगतेदुषीजुदुरवलगात स्वासकासपीडतमहात्वेहूउगिलतजात२५मं दअगिनिजुरअरुचषामासपीतसितनेना दोनहि रदिविस्वरवचनछइरोगइमिऔन२६जुरवेचूर नमेकहेऔपहलनुतालीसादिातकीयाछयरोग मेकनोकेकरियेयादि२७पीडसहतनेनीमिले नरचोटलोकोराजु तोनहिचितछयरोगकोसहज मिटावेषाजु२८ादोपई जरमगेरवाकीलेऔ वे मासतीसकुयेजुपिवावे दूधटकाभरिता सुपिडोरे षाइमहीनोमारिनिरधारे२९वठती सावरऔषदिषाइ५

कोयहहैजोग ३०
स्पुष्टिवलग्ररुनीरोग छुइरोगकोयहहैजोग ३०
कौहरकौवकलाकएकुकेवोजाले
घाडसहतघ
रगगेरुवालाइताइमरिपीसिले घाडसहतघ
लसंगरोजउठिषाइये कासस्वासछ्यजाइरोग
सवजाइये ३१ चूरनग्रसथधगुरुषुरू
सहतदूधकेसंग षाइप्रातउठितौकरैस्वासकास
मलंग ३२ लौंगेग्रगरकपूरकमलगटा
दन जीरोग्रोरउसीरनाइचीमोथादमन जटामासि
कालगरवंसलोचनग्ररुवारो पीपरिग्ररुकंकोलकी
इफलतजनिरधारो लेइनागकेसरिमरसमिश्रीच
रनग्ररधसम गुनगननिधानचूरनकलौलवंगादिय
हसुनिपरम ३३ रुचिउपजावैवहुततृषावल
कौरग्रधिकपुनि वातपित्तकफहरैहरैपीनस
सपुनियहसुनि कंठरोगहियरोगकासहिच
कौविनसावै ग्रतीसारग्ररुस्वासतमकउरेह
तहिमजावै संग्रहनीपरमेवग्ररुगुल्मरोग
यरोगवर यहषाइरोगसवहरनकौलवंगा
चूरनसुघर ३४ ग्रर्थ
गंधिकतौलेएकसोधितौलेलेपारो मटसिलतौले
लेएकतौनियेसवनिरधारो गुनतौलेलेसारघ
कडेटतौलैलेगुरधरु काटिसुतावरिरससर
घिसवइकतरकर

ावनाचारिदस इहभातिसिद्धियहहोतु
ंमुदेस्वरइहिनामरसं ३४ रतीदोइकेतीनि
िमिश्रीसगयइये तवयारसकेसरससयुन्यु
नतिवतइयै वातपित्तकफजाइऔरछयरोगवि
करटरे जुरआदिकमिटिजाइमिटावतदानवयो
हरि सदायाहिसेवेजुनरुअनूपानसगप्रातजित
तनमधिनहोइयुनलकनसितवारहोइसुनिलाइ
चित॥ ३५॥ अथमृगांकरस॥ घनाछरी॥ सोनेके
तवकअरुपारोयेसमानदोऊदोऊकेसमान फेरिड
रैमोतीआनिके पारेकेबराबरिलेगंधिकहूचौथे
हिसासाजीतामधिमिलाइदेइजानिके दिनएकष
रलमधिडारिमरदनकरैगोलावाधिधानतुससलि
लसोसानिके हडीयामेनोनुभरेताकमधि
गोलाधरेएकदिनाआचेदेइहितुपहचानिके
३६ ॥यहमृगांकरसपीपरेसहतसंग
जवलेइ तीनरतीभरितवछइरोगदूरिकरि
देइ ३७ संग्रहनीयासोमिटेमंदअगिनिमिटि
जाइ सीतलहितअरुपित्तहरजादीनोपथ्यावत्त
३ ३८ २ श्रीजोस्वा... जन... इभइ विरचि
... या सा... य... त्वनामहितीयप्रकास २
... ॥जीभदोषहियदोषतेअ
रुसंतापज्वतीयसंनपातअरुदोषसोअरु

विरोगकहिदीय मिरचलाइचीउ रिगुरजलड्मिली कौलेइ याओषदिसौतुरतहोयरुचिदूरिकरिदेइ १
मिरचचिरोंजीमीरोदाषि ततरीककोकरि
अभिलाष गुरसोचुरदरिवामेंडारि गोलीकरौतनक
निरधारि ३ गोलीमुषमेंराषियेहितचित्त
जानिअपार अरुविरोगयासोमिटैयहकीनोनिरधार
४ वारवारपानीपीयेतृमिनक्योंइ
होइ फिरिफिरिचाहैसतिलकोतृसाकहीयेसोइ ५
मिश्रीषीलेदाषमधुइनमधिडारिषजूरि इनकोपानीपी
यकेंतृषाकरिदेदूरि ६ गटाषीलअरुकूटमधुइनकोचु
रतपिसाउ गोलीकरिराषेवदनअस्सारोगमिटाउ ७
वातपित्तकफतेवढुरे अरुच
दोषवलपाइ लरोवसुदेषेवूढ रिछिरदिपाचविधि
आइ ८ कौपरकंजपातलेनोनषटाईडारि वडेप्रा
तहींषाइकेदीजेछरदिविडारि ९ प्रथमलो
गकेसरनागलाइचीलेलावूढु मिगीवेरकीवढुरिला
इइनिमाफमिलावढु मोथाओरप्रयंगसेतवंदनदि
निमधिधरु पीपरिषीलमिलाइकूटिनाकोचूरनकरु
मधुमिलाइमिश्रीचतुरकरेभछचूरनसरस कफवा
तपित्तउपजेप्रवलछुरदिकरेनफीरपरस १०
लेजामुनिअरुआककेपातकाथकरवाइ सहतषी
लचूरनमिलैछिरदितुरतमिटिजाइ ११
जानिपरेदुषसुषनहीपरेकाठसमदेह

तासोकहीयवुमूरछाछहविधिसोसुनिलेउ॥१२॥पं
षानलसोसीचिकेसीतलमनिगनहार॥कुसुमसुगंध
अनेकयेमूरछाकेउपचार॥१३॥चौपई॥मिगीबिर
कोमोरउसीर॥गजकेसरिलेमिलओधीर॥पोप
रिसीतलुजलसोप्याउ॥विकटमूरछातुरतनसा
उ॥१४॥दोहा॥पीपरकीमुरकनिकूरवाटेसह
तमिलाइ॥याऔषदिसोमूरछानरकोतुरतनसा
इ॥१५॥मिरचआदिककोनासुदेमूदेनाकमुषआर
मूछितनरहिजाइयेपरखोहाइजाटोर॥१६॥[illegible]
[illegible]॥पितरकतसोमूरछातपानउपमाहाह
[illegible]तुचानहकरतेहतहापित्तसमराह॥१७॥देह
चुपरिसघोतघृतमिश्रीसहतुबवाम्रार॥यौउन
रिकेतुरतहोदाहरोगमिटिजाइ॥१८॥वासणतेला
काथकोसीतलतलेमघृडारि॥रुधिरपूरनउप
जोस्वदाहसुदेहविडारि॥१९॥[illegible]
[illegible]सिसिरजलधार॥दाहहरतदेर[illegible]
हितसुंदरजनुनिविहार॥२०॥[illegible]
[illegible]जाइकमत्तकरतुमनमोह[illegible]
हि[illegible]ना[illegible]
[illegible]लोगहजोर॥सोठिमिरच[illegible]
[illegible]सेपाहलो॥पाद[illegible]
लो॥२२॥चूरनइनको[illegible]
[illegible]

भावनादेइ चूरनमधिघृतसहतमिलाइ
नामरिचूरनखाइ २३ मासेसोरहकेरोष्यमानघे
विकोयहकेयोसुजान बैठेवुधिमनधीरजलतहै
क्षुधाइसयाकोगुनकैहपाठकवित्तहजा नि
गावे एकदिनामेयहगुनपावे २४ चतुरान य
हचूरनकह्यो सारसुतीइमिनामसुलह्यो
धिउनमादनसोमैइ अपस्मारव्यासोहठिजाइ
तेललगाइसरसस्रसोफोवाधिउता
पार घामभाम फिरिचामकेदकरितेलेफिरि
रमारे भातिभातिडरपावेवेदीषानेसूनारोषे
उनमादीकेमूलेकरनकोवचनभाषानकभाषे
२७ ताकोतोकेरतेलअरुपानोतासोतनछिरकोवे
कोसोकरैजतनबहुभातिमिगुनयहबेदबतावे
बडीबडीमेदेदेताकोपुनिपुनिमारनधावे उनमा
दिनिकोनवपुनिततनमनचित्तठिकानेआवे २८
मोहमगनमन निसिदिनर
ह मूलिआइवातेजेकेहे दोषकोपकोबदतीकही
अपस्मारकोनीलायही २९ पित्तेश्री
वेपुष्पकोकुत्ताकोउरमारि ताकोधुिसिज जनुको
रिअपस्मारदेटारि ३० कुत्ताकोपित्ताभि २१
तसोघृतनीदेइ अपस्मारकेहरनकोय
दिकोरलेइ ३१ चूरनवचकोकार तसग
पाइउठिभात अपस्मारमिटिजाइ
घअरुभात ३२ जाठोजलतसोबा

तीनिसोपीउ अपस्मारकोरिदूरिनरवकुतदिनालयुजी
उ॥ अथवातव्याधिदोहा॥हेतुपाइअपनोकुपितवा
तगहतिजवअंग॥तवपीडाइमिहोतिहैऐसीवातप्रस
ग॥३४॥उरदषिरहटीअंडजरअसगधरोहिसिओर
रासनिवीभकरेछुकेतेजानोयाठौर॥३५॥इनकोका
थवनाइकैडारिहींगअरुनोनु॥पीवततार्केतनरहैवा
तव्याधिहैकोन॥३६॥कर्नेनादिअर्दितवकुरितोजोप
होघात॥मानसतंभहरैहरषिषाइदिनोजोसात॥३७
२उदारकठसेरूवासोदिडारिकैंकाथ तेलडारिपीयै
लगैतुरतवातकोहाथ॥३८॥हींगरकुटषट्कटुअम
लवेतकचूरविचारि॥पाटधनाअरुवोवईजाउइनम
धिडारि॥३९॥जवाषारसाजीसरसवचअजमोदल्या
उ॥ तंतरीषजोरोवकुरिपीपरामूरमिलाउ॥४०॥सार
हररयेडारिकैंचूरनकरौवुकाइ॥स्वासकासपलिहा
अरुविसल्लवात मिटिजाइ॥४१॥हृदयरोमथ
गलरोधअलपांडुरोगदुषोतोजाइ॥उदरबंद
अफराभिटैहिंगुलादियहषाइ॥४२॥गाइमूत
मेमेलिकैतेलुअंडकोषाइ॥ऊरूग्रहगंभरुगृध्र
सीरोगुनरतमितिजाइ॥४३॥आदकोरसतेलघृ
तवीजपूररसचूकाथिपीवैगुरडारिकैकहीवैद
यहधूक॥४४॥गुल्मचूककटिचकविथाउरूविथा
हेनधीर॥उटावर्तेजालेग्रहसीगोपदिहैयह१

थीर ४५ पीत्तोपीपरि डारिकेदसमूलनिकाथ
थु वातविथ्यावहुभातिकौग्रादितेछोडेसाथु
४६ रास्ननिपहलटकाभरित्तेइ पइ
साफ्इसामरियेदेइ स्पामसिंगडजवासो
ग्रानौ देउदारलेइनमधिसानो ४७ वचके
चूरसोठिजरुवासा हरस्वावलेकेरतमासा
पुननेवामाथासु गिलोइ सोफविचारो
लादेइ ४८ गुरुपुरुग्रसगंधपुनिग्रानो लै
ग्रतीसकिरवारेसानो पीपरिपोथावासोध
ना देइकटाइमोथासना सरससुतावरिइ
नमधिडारि बैदबनावैकाथुविचारि सोठिसै
गकेपीपरिसंग काढोपाऐहोइतरंग जोगर
जगगलसमपाइ ग्रजमोदादितेलकैल्पाइ
केग्रंडीकोतेलुमिलाइ ग्ररूपानुयाकोयहग्र
इ ५१ सकलग्रंगकोकंपनसाइ पछ्थानुकैव
जीतिसुजाइ ग्रामवातवहुकैग्रधासी ग्रस
लीपदग्रपतानकनासो ५२ ग्रातिविरथिग्र
फरासुकठोर जंघजानुमधिग्रादितजोर ग्र
कलिंगवंधपाभगरोग रासिनादकोकरियेज
ग ५३ दोहा देउदाररासनिग्रइसौठि
लोइपिसाइ सवसमगूगलल्पाइकैवहइ
माऊमिलाइ ५४ वातविथामस्तकविथीप
भगदररोग यहग्रगलपाऐमिटैइनरोगनि

भोग॥५५॥अथ तैल नि॥ लेगडिकनकके नेरि
अरु आकपात कोरंग॥ घिनातु सा जलतैलसम
औटि तैल केसंग॥५६॥ केरअगया तैलको मरदन
वारंवार॥ वात विथा वहु विधि मिटैयह कीनो
निरधार॥५७॥ अथ तैल टका चोसठि भरि लै
कोरि पह लै सुधकरावो॥ कुठ्य धतूरो रासनि विष
अरु चोष त्रय गल गावो॥ टका टको भरियेओष
दि सव लै के कलकवनावो॥ पीपरि मिरच ओर
वच चित्रक वहुरि षष्ठ दनि लावो॥५८॥ अंडकने
रि भओठ ओर है मासी त्रफला तैसो॥ देवदारु अ
रु लाष मिलावे रससो मिलवे वैसो॥ तेलनाम वि
सगवनावे वैद कह्यो है तैसो॥ याके रहत गाओत
न मे वात रोग वर के सो॥५९॥ चोपई॥ इरनी से
नावल मिलाउ॥ पाड रनी वत हा लेआउ॥ अरु
सारनीअ सगंध आनो॥ दोइ कटाई इन मधि सा
नो॥ ककई ओरषिर हटी सोउ॥ पुनर्नवा गुरुवु रू
... उ॥ दस फल ये औषदि लै लेउ॥ चारि दोन पा
नी मधि देउ॥ चरन एक औटे नतैल राषो॥ वह जल
लेइ तैल मधि नाषो॥ सो फ सिता रस सो धौनी
तु देवदारु पुनि कहीयै तोनु॥ ६०॥ मासी लाउ षिर
टी ओर चंदरतगर आनीयै गैरा॥ चातुरजात ला
इचीरा सन पुन

देउ कूट सहित है है पल लेउ इनकौ पीसि कल्क
करि देउ तेल माझ वह कल्क पचावै फेरि सुनावै
रिघो दिम गावै ६४ तेल वरावरि रस कौ टवावै
तेल माझ वह तेइ पचावै गाइ कि छेरी दूध हिलो
वै तेल चौगुनौ दूध्यु पचावै ६५ पीवै षाइ लगा
वै तेलु नासु देइ याकौ यह फलु घोरे हाथी ना
मसु कोऊ बात गह्यो वह नीको होऊ ६६ हाथ
पांउ वेद निकरि हाकौ वात बिथा देत सिर ताकौ
वात भेद है जितने भारी तिनकौ यह औषदि निर
धारी ६७ अंग अंग के जितने वात तिनकौ यह औ
जो करै निपात वात बिथा हानि कौ फलु यह जा
नौ नाराइन तेलु ६८
तिलकौ तेल सेर च्यारि लै माटी टिक्क कौ याडारि सु
धावै लै करि गोकु धूत रै फगरा से हंडि पात क्वा
इन लावै अंडकै नरिकै पात निकौ रस सेर सेर भरि
तेल पकावै [illegible] गत तेल वात कौ वेद निनासे जो
अंग लगावै ६९
गंधिक अरु हरतार सो घिपारे लै नौनो मारि लौ
हरजले उलहु ते सौ करि सौनो [illegible] लै गहि
ररसु हागो अकु [illegible] दीजो लै गरि कौ रस का [illegible]
क दिन मरदन कीजो मुंडी रस सौ [illegible] कौ [illegible]
नकरि गोली करहु गुंजा समाने दे [illegible] को रस [illegible]

छंदभैरोधरहु॥७०॥दोहा॥रासनगुरचवदेवदार
सौठिरूंडमिलाइ॥सवपानगूगरमिलैदीजोका
थपिवाइ॥७१॥[illegible]॥पवनरुधि
रआवारकोइमिकरिडारतदृष्टिआगछुवतजानेन
हीरहनउपजावतकुष्ट॥७२॥मेहिल्लहोरविसचि
काविकलआगुरियनिओर॥वातरकतलछिनवि
कटवेदकेहलाठोर॥७२॥वातरकतजवअंगमेर
हैबहुतेदिनेछाइ॥तववानरकीरहमेंदतकोद
उपजाइ॥७३॥चौपई॥दारुहरदवचऔरगिलो
इ॥कुटकीवअ्लानवलमिलोइ॥अरुमजीठलेकाथ
पिवाइ॥वातरकतअरुकोढनसोइ॥७५॥[illegible]
त्रफलामृजीठनीमछालिलैचितावरिइअरुसोरो
कहरदओगिलोइलैमिलाईकै॥बिरुलालचंदनवि
रहूतोवचकिरवारोकुटकीमुरहरीसुल्याइकै॥रासनि
रसारनिबिडंगजटामासीपाटदानोनिपीपरि
निसोतुल्यावेजाइकै॥मिरचजवासोकाकमाची
परवरपातकुटकिजोपेदेवनाइकाथुयहपिवाइ
कै॥७६॥वातरकतकंडूघताहरुधिरविकारअनेक॥सि
हआपामाकोटकोकायकसोयहएक॥७७॥नागवेलि
अरुमालतीकनकपातरसलेइ॥औरमुरहरीकूट
अरुमरिसिहइनिमधिदेइ॥७८॥इनिमधिपारोमेलि
कैघोटोतेलमिलाइ॥ विस
[illegible]नसाइ॥७९॥मिटैहै नाइ

तेलल गावै अंग मे यह गुन दयो बताइ ८०
अधिक पवन ते रत जवे
आऊंक फासय जाइ वह नारी सो पाइये आ
मवात वह जाइ ८१ जोन जंघा उरू मे घिस
त होइ जब जोर आमवात लछिन कहयो य
हवे रनिजु कठोर ८२ रासिनि गुरवे अंड ज
र देवदार संग षाइ आमवात कटि सूल गरु
षावै सोठि मिलाइ ८३ वात हाड गति संधि
गति मे जागति है भैन आषदि सो वह मिटे य
नर पावे सुष चैन ८४ दूध साथ जो पीसि के
सिंगी अंड की षाइ आमवात कटि सूल गरु र
गंधु सी जाइ ८५ सिंगी अंड की सोठि सम
षाइ षांड के संग तो नर है नर देह मे आमवा
आठ टका भर सोठि षु
त परसंग ८६
दूध बतीस टका भर बीस टका भर घी उल
इत हल्लै कसार करि षांड आढाई सेर घोरि
के पाक बनावै टका टका भर सोठि मिरच पी
परि येतावै तेजपत्र एल्ला बहुरि पीसि डा
रि गतरी करहु बल पुष्टि बरन आयु षकर
८७
आमबात सोषदि करहु कफ फेरि पित्त फिरि
बात पित्त कफ फेरि
वाते आमसये तिरदोष ते सूल आठ कहिज

त ॥ ८८ ॥ ग्गनपचेजवखाइ
नवसूलदुषकोधाम॥ करैवेदमूलमूतकाफेर्यो
सूलपरिनाम॥ ८९॥ कंजासोचरसोठिअरुहींग
समानमिलाइ॥ षाइगुनगुनेनीरसोंवातसूल
मिटिजाइ॥ ९०॥ दोहा॥ सूमरपहलेहीगले
ताजी सोंधोसाचरिसोंचरसाजी॥ मिरचहि
रगुजमोदालेउ॥ पीपरिसोंठिमिरचुफिरिदेउ
पहकरमूलसुइनमधिहोतु॥ चूरनतोजोमा
गनिसोतु॥ तातेजलसोंचूरनषाइ॥ सूलअजीर
नगुल्मनसाइ॥ ९२॥ मिटेउदरखंदअरुआउ अ
फरामिटेपवनकोनाउ॥ तुंवरादियहचूरन
नयो॥ याकोगुनअसोकहिदयो॥ ९४॥ दोहा॥
सोठिहीगसोंचरसरससोंदुसलिलसोंषाइ
मिटैपीसरफवातकीअरसूलिकाजाइ॥ ९५॥
धोनतुसाजलडारिपीसितिलसोंजोय
सेकिआगिसूंनेकपोटरीकीनीये वारवारवह
पोटरीफेरेपेटपर॥ सूलवियाअतिजोरतु
तनरहूरकर॥ ९६॥ दोहा॥ पीसिछाछिसोंमेनह
हुडीमोअमरिराषु॥ तुरतवेदनासूलकोमिटै
जातुयहभाषु॥ पीसिछाछसोंवेलतिलअंडमूल
कोरिटके॥ फिरिपेटपरपोटरीहरिहैसूलअने
क॥ ९७॥ हींगनिकजीगनि[illegible]॥
य [illegible]

कराकोमिगीमुजेफेरि जागिमेआवु ताकेपाछे
पेटकोमिटेसूलसंताप ॥ पैप मर्योलोहपीपरि
इरखाइसहतसोचाटि त्रियासूलपरिनामकी
सातेदिनामेकाटि २०० कोदोतिलगुरसोंठिकोद
थमाफकरिखाइ सूलवेदनापेटकीतुरतफुरत मि
टिजाइ १ गोडचितोवरिगुरसुरूपननेवापीस
इ छोपिवारिकेभस्मकरिसायामेफेरिदइ नातै
पानीमेपिये चूरनसरस्वनाइ विकटसूलपरि
नामसोयाचूरनेसोजाइ २ सोंथीपीप
रसोंठिमिरचवि पूल्याइये गेधिककोडीराखपान
रीमिलाइये नागबेलरसडारिपीसिकरीथोवरी
खाइरतीभरिखाइ सूलगजकेसरी ३
हृदयनाभिकेवीचमेचपलगांठिजोहोइ स
थिरदोखतपाचविधिगुलमकहावेसोइ ५
घृतकुमारिकालेइसेरडेढ़गांठटकाभरि नामेगुर
वाढ़ीनसेरपाचकलेकेधरि पाँचसेरगुनिकोरट
काद्वादसभरिपानी घृतकेवासनमाडारि
गेकुरिसानी तीनसेरचोखासहितचारिटकाय
रिगोरसुनि यामधिमिलाइमिलवे ... रि
जोपाटितेसेउगुनि ६ ... कोरसा
मारयोगजवाइन मोथावाइविडंगचितावरिगो
खताइन टकोचारिभरि... औखदियनाख
हु यहओखदिकरि ... भरिवाघु
गुल्मपाडुकइजठरस्वासकासपतिहरस

चौपई॥दोइटकाभरिकचैतेजाउ॥तीनटकाभरिहरर मिलाउ॥ चारिटकाभरिसौठिसुसंग॥टकाछहभरिवाइविरंग॥९॥होगटकाभरिदारीवामे॥गाउटकाभरिपीपरिवामे॥पाचटकाभरिचित्रकभाषो॥टकासातमजवाइनिराषो॥१॥कुटिकानिचूरनकरखावै॥तातेजलकेमदसोप्यावै॥गुलमसूलस्वाससमरकास॥जहसेग्रहनीरहेनपास॥१०॥होगसोठिराईसरसतिनरीकेगरुनो॥नु यहचूरनमघुगुलमनरदूरिकरैनक्योन॥११॥पारोगंधिकपीपरैहररवराबरिलेइ॥किरवारकेक्वाथसौयहफिरिघोटनेदेइ॥१२॥फिरिथूहरिकेदूधसौमरदनकरैवनाइ॥सहतसंगमासेभरयोफिरिनरयहरसषाइ॥१३॥गुल्मजलंधरविषमिकोमिटेपथ्यरधिमान॥अनूपानरमिलीपनोयहपंडितकौवात॥१४॥ [illegible] ॥रसुसुषाइकेदोषजवनिरगुनहियमधिजात॥षीरकोरेहियताहिसुधहृदयरोगकहिजात॥१४॥केघृतसोकेदूधसौकेजलगुरसोषाइ॥क्योहातरकीछालिसोहृदयरोगमिटिजाइ॥१६॥चूरनपुहुकरमूलकोसहतसंगनरचाटि॥स्वासकासदारुनमहाहृदयरोगकोकाटि॥१७॥ [illegible]

२३ मिश्रापु १८ ज्ञाधुमानदु रवतजगिनि रवत
नजग्रहदाह तेंड्डाचत्योनजाइयह उदररो
ह २९ पतिहावांइजोरकहिजकोनदाहिनी
याविधिपतिहाजकौनेकौत्तछिनकयोकठोर
सरोवसासोदुएकफुगरत्ताहुयेदोइ पति
देउदरमेपतिहाउदरकहिसोइ २२ जवाघारज्ञ
रकूठवेचजीरेविवकलेइ ग्रजमोदादातेनिपु
निहीभगचवस्थुनिदेइ २२ तीनिनीनसाजी
पादसोठिपिसवाइ तातेजलसोषाइतोवा
रमिटिजाइ २३ त्रकुटकूठसोधोवहुरिजवाघार
पिसवाइ वीजपुरससोसरसपलहनकोघाइ
सरफोकाकीपीसिजरपीजेमठामिलाइ पतिहा
वेहुतेदिनानिकौसोऊयासोजाइ २५
जवाघास्वसोचरजरुघारी कचलोनासाजीनि
रधारी सोथोनोनुसुहागोदेउ यसवलेचरनक
रिलेउ २६ दूधगाकसेहडिलेगावे दूधडारिदि
नतीनिसुषावे तीनिभावनायाविधिदेकै सवचू
रनइकठोरकैके २७ ल्यावेटोरिगाककेपाते तर
ऊपररोषयहघात यहसवलेहडोयामेधरे हडु
याकोकपरोटीकरे २८ ताहिगावगजपुटकौदेइ
सीतलहोइकाटिनवलेइ फेरिपीसिचरनकरवा
वे येगोघदितामाकोमलावे २९ सोठिमिरचपी
परिजरहराइ चफनामजीहोगवताइ वारविर

मेलि मठा मधि चूरन षावै ॥३०॥ सौ
गिनि जाइ पलिहा गरुचि जकतेको
नाहि उदररोग ते पावै चैन ॥ वज्री छार वतावै जैन
३१ ॥ [illegible] ॥ वात पित्त त्रय दोष कफ
सुके वेग अभिघात ॥ सुके रोग अरु अस्मरी मुत्रक
छ्रकहि जात ॥ ३२ ॥ तनक तनक वरियाइ कैं मूतनु वार
हिवार ॥ निकसे पीरा सहित यह मुत्रकछ्छ निरधार ॥
३३ ॥ काथु गुरुषुरु बीज को जवाषार जुत लेइ ॥ मुत्र
कछ्छ अति जोर हू ताहि दूरि करि देइ ॥ २४ ॥ चौपई ॥
पीपरि अरु सिलाजित लीजे ॥ अरु पाषान भेद पुनि
दीजे ॥ मेलि लाइ ची चूरन करो ॥ चावर धोवन नीर लै
धरो ॥ ता पानी में गुर वै घोरि ॥ ताही मैं यह चूरन बोरि ॥ या पि
घि सौं यह चूरन षाइ ॥ मूत्रकछ्छ तें कछ्छू न डराइ ॥ २६
दोहा ॥ जवाषार मिश्री सरस दोऊ लेइ समान ॥ मुत्र
कछ्छ को यह कहौ औषद देषा इसु जान ॥ २७ ॥ तनक
गुनु गुनो दूध करि षाइ लेइ गुर मेलि ॥ मुत्रकछ्छ अरु अ
स्मरी वात रोग दे ठेलि ॥ २८ ॥ छप्पै ॥ डारु पात फल
फूल मूल जुत पाच सेर सब ल्याइ गुरुषुरु अरु टि
ढिन पाच सेर लव सवा सेर जल डारि षांड दे सेर
औध सतु घोरि मंद करि आंच औटि वह नर सु पल्क
करु जवाषार सुंठी मिरच पीपरि नागकेसरि सफ
ल कौ हाइलो इची जाइफल जत पुसु

२६२४

बदिसबुजारिफेरिअवलेहबनावइ चिकनीहडीया
लाइयरेअवलेहविचजेन टकाएकभरिरोजु
प्रातउठिकैरेजुमेहन मूत्रकृच्छदोहअस्मरिस
रोरुधिरमेदमधुमेहअरु मुत्रकछअरुमूत्रको
रोगताहिनरदूरिकरु ४० सरकंडाकुसकासअ
रुऊषादाभजेपाच पित्तमुत्रकेकछकोपीयोय
हेहसाच ४१ इनहीकोकरिकलकअवपाचदूध
मेडारि लोहगिरतजुलिगतेसोऊदकिनटारि
४२ राहरोकि
कोमूतकोकटिअरुवसनिभकार करैवेदनाअस
मरीवहजानोनिरधार ४३ भेदअंतपाषानको
काथसिलाजितषांड डारिपियेतोपित्तकीक
रेअस्मरीषांड ४४ षाइकाढिरसकेथकोजवा
रगुरडारि मुत्रबंधअरुसकेरादरअस्मरीटारि
भेदअंतपाषानअरुजरत्नाइये ता
लबुषारोकोमूलसुवरनीजाइये चूरेटिकटाइदे
ऊपुरुषुरुसगदही देरिअस्मरीमूत्रवंदऔछ
दिकही ४६ धानजुसाकेनीरसोषारिह
रगुरषाइ विकटअस्मरीलिंगकीतुरतविदा
हेजाइ ४७ पथरीअसेजतनसोजवनहीमिटे
निदान तवकाटेवहजतनसोसथीयाचतुरसुज
नु ४८ जायाकहैछद
पित्तसोदसकफतेतेसाध्य चारिवातितेहानजे

परमेहग्रसाध्या॥४९॥त्रफलाचूरनकरिसरस
सहतसंगनरखाइचाटि. उपज्यौवहुतेदिना
निकोतुरतभ्रमेवजुकाटि.॥५०॥छंद वरऊम
रआरूआमकेथपोपरकिरवारो॥जामुनिसै
नोसाजचारकोहानिरधारो. मदुवाजाठौ
लोधुनीवुवरनोत्रफलापुनि. आकंजाकी
मिगीइंद्रजौभिलवाफलसुनि॥चूरनकरीये
सहतसोषाइपियोत्रफलासरस॥परमेहवी
सफुरीयामिटैमुत्रकैछनकैरेपरस.॥५१॥दो.
आ.कुटिआंवरेकाटिरसमधुआरमधुरमि
लाइ॥मिटैसकलपरमेवलोयहथोरेदिषाइ
५२॥निरगुरवैकोरसपियेडारिसहतसिरता
जो॥हनेवीसपरमेवज्योमरगमारतमरगराज
५३॥रससेमरिकीछालिकोषाइहरदमधुसा
थ॥तोनरवीसप्रमेवकोतुरतलगावेहाथ॥
५४॥रससेमरिकीछालिकोहरदसहतआरु
वेग॥षाइवीसपरमेवकोतुरतमिटैपरसंग
५५॥हरदसुतावरिलोजीयोआमकचेदनती
ग॥मधुसगषापरमेवकोयहआवदिहेधी
रा॥५६॥ आठटकाभरिलाइकपरछन
केरेसुपारी दूधआटाईसेर

डोरी

रो ॥ऽअटाइ ॥ रसु भ घो रिव नावै पाक जेव
ता मधिक सार डारै वहरि जे ॥ दि जे कहतु
सव ॥ ५७ ॥ मोथा चंदन त्रकुट नागकेसरि ॥ व
रा ॥ चाह वर को पिगो दाइ जोर कोसुधिक
रु ततपत्र ॥ धनाला इचो लेइ जाइ फूर
बेस लोचनाला गसिंघारे चूरनको रनर ले
उस वैहै करषडा रि ॥ वरको जु रसा रस
रिसु तावरि ॥ जलर सकरि फिरि गतरी क
सरस ॥ ५८ ॥ खाइ पाक परभात जाइ जोरन जु
तग्नितनु ॥ मत पित ॥ रुपित जाइ मंदाग्नि
नियह भनु ॥ षिनाकमु कंठ रुधिर मिटि
जाइ ते तछन ॥ सुहोइ बल होइ कहत इह भा
ति वचन मुनि ॥ जाइ रोग परमेव सब वट धातु याव
ढत धनु ॥ वीय रोग जाइ इह विधि कहत पुणी
गुन वैद्य जन ॥ ५९ ॥
पारो अभ्रक वंग सार मारयो सब लुइये
मरिछ ॥ ला इचो ॥ वरो दइये ॥ तान बुध
ग्रुरु कपूर इनि मारु मिलावइ ॥ ओर जाइ
पीसि डारि इह माधिघि सावइ ॥ रसपर मेव कुरु
१ य हहै मासे षास हनसों ॥ वाके प्रमेह जे रोग
ते तुरत जाइ मुनि कहत यों ॥ ६० ॥
दिन सो वेन चरने फिरे मधु रु अंजन नर

३ जस्कफजारकषाइबौमेदरोगअधिकार ६१ उ
दरपोत्कुचमधिबढैमासबहुतयहमेद बेलउ
तरा ६२ येटबहुतताहिकहतहैमेद ६२ बातबुरा
बरिसहतजलपियेमुटाइजाइ माडपियेकेभ
त्कोतातोत्रोषदिआइ ६३ संतुवाद्धाधकेनीर
सोपियेधारिनररोजु तोनिहचैयहजानियेमिटे
मेदकोघोजु ६४ वेलपत्रकोरसपियेकुटिनखुसे
छानि मेदरोगदुरवासनामिटैरोगयहजानि
६५ अरिष्ठा दारुहरदतिलकुटकच रोपसाइये
सरसोहररमजीठमोथाहिमिलाइये नामछ
त्तिपिसवाइउवटनौकीजीये मेदरोगदुरगंधि
धोइचितजीजीये ६६ अथ सोथरोग बातब
हिरीनसनमेलाइकरतकफपित्त दोषविषअथ
रुचोटतेकरतसोथनोमित्त ६७ गुरपीपरिआर
सोठिकोचूरनकरिकेषाइ मिटेअजीरनआंवअ
रुसूलसोथमिटिजाइ ६८ घेप गुराद्रोगुरसोभ
ठिकिगुरहरदरेपावढतो सोरहमासकिआदिटकु
मोनिकसोंवढती पंद्रहदिनकेतीसदिनानरसे
वनकरियो सोथकठमुषसतराग्तेतनकनड
रियो स्वासकासपीनसजुरसनुग्रहनीअरु
पाइमार कफकेबिकारजेतकहतितनेसबये
केटरद ६९ अथ सैंदर्या पीपरिसोठिकटाइचित्रा
वरिमोथामगाइकेजीरकश्यानो

रोगतपीपुरिकुटिसुवेकपूराम
नेतेयहतातेसपानीम
नो सो विकारकेटारनकों
पदिजानो ७०
पित्तकफमेदगलसूवहधिरवटिगात गंडवु
धिकोसातविधिपवमकरतकहजात ७१
चंदनजाठेग्गरूपदमाख नीलकमलउर
इजरमाख पीसिद्दथसोलेपनकरै गंडवुधि
नदाहहनिहरै ७२ स्यामसिगुरवेगुर
सुरूजागेरासनिगंड गंडतिलजुलकाथलेस
नवुहिकसवंइ ७३
संधिमाधिदोषतेतनवहिसोथकछुहोइ रुधि
नामतासोथकोकहतसुनीस्वरलोइ ७४ पीप
रिसोधोडारिकेहरे पिठीकरवाइ मेंजिगंड
केतत्तमेघाइरुधिमिटिजाइ ७५ तुरतमकउ
व.उदरकोफारिवीठिकढवाइ लेपुनकरीयेज
तनसोरुधिरोगतवताइ ७५ देवजागतेरुधि
जोपकेवेदसिरदार तोयहचीरफारिकेरवन
केसोउपचार ७६ मासतोथ
हिकंठमाधिलटकेगंडसमान केछोटोकेमोटि
वडोयहगलगंडप्रमान ७७ वातगारिमवद
यहेद्रुमासनसमेद गोटिगोळचीकुरेग्रंथि
विथाविनुमेद ७८ वेरगांव
रिसमवहुतगाठिहोइनिरधार कंथकंठकवि

आदिमेगंडमालसुविचारा।७९।सनुमूरागररस
हजनौनौनौकेलेवीजा।सरसोजोअरंसीवहुरिये
चूरनगहिकीज।८०।पीसिमठामेंलेपकरिग्रंथि
मिटैसुविवेक।गंडमालगलगंडकोयहऔषदिहै
एका।८१।[illegible]।दोहा।।सोथुहोइकफमे
दसोपाइकाननकरनेन।।चतुरवेदकहिंतयहअस्ती
पदत्तविजेन।८२।सरसोलेगरिसहजनोपुनरतन
वागरगंडाम्पीसिधरो।लेपकरिअस्तीपदकरिव
डा।८३।[illegible]।।वातपित्तकफरुधिरअस
वरनतेदोषसुमूल।लोहविद्रधिवीयकुचानिगुल्म
सुविद्रधिसूल।८४।जोगोहअरुमूगयपीसिप्रथम
उसेइ।लेपकैविद्रधिपकितुरतहूरिकरिदेइ।८५।[illegible]
[illegible]।एकदोरत्तनमेकहहुसोथुहोइसिरदार।पूर
वलछिनजानीयेरनकोयहनिरधार।८६।वातपित
वयदोषकफअंगतुचाइतिपांच।सोरुहेतुफिरिरुध
घिरतैरनछहविधियहसांचा।८७।तेलघीवसोसा
निकैसत्तवातस्लकराइ।।वाधेपकिआवेमत्ताओरसो
थुमिटिजाइ।८८।वरउमरेपाकरिवहुरिपीपरैवक
लावत।घीवसहितवुनसोथकोयहऔषदिकै
हिमर्दैन।८९।[illegible]।पारोगंधिकयेसमदोऊ।
मुरदासँगुदोइसमवोऊ।लेइकवीलातीनिसमा
न।हरीयाथूथातनकप्रमान।९०।घीवचौगुनोद
रनतातें।वैरसोथकोऔरनयातें।।

औषदिषागै तेवनमिटैमलयययहपासे ९१
भांतिभांतिकीधारकेभांतिभांति
हथियार भांतिभांतिकेहोतेहैतिनकेघावअण
र ९२ सयौव्रनत्तछिनकहौयाविधिविरचिवि
चोर अबतिनिकेहौकहतुहौभांतिभांतिउपचा
र ९३ पहलैघाइल्लघाउप डारासोस
जै मैदालावैबहुरिस [illegible] जै तोइत
तीकैसकुलासौकरवा [illegible] दोनौतुषुट
रीयाकरिसिकवावै फे [illegible] वधिवहुरि पा
घाइलपावैनदुष याभांति [illegible] कुकीयेमिटेपीर उ
रषपावैसुसुष ९४ दारुहरदअरतेल
पचावै तेलुकवीलादेइमिलावै तेलदूवरसके
येसवजानौ व्रनषावनऔषदियेमानौ ९५
जाठेकुटकीअरुहरदकेजाकेफलपातजा
तीपरवस्नीवकेपातमेनकहिजान ९६ घ्रतमेऔ
षदिमैलियेनीकमलमवनाइ पीरमेटियासो
तुरतपुरिआवैवहघाइ ९७
ईटकाठपाथरलगैफटैमासअरुषाल स
घविदीरनत्नामव्रनलछिनकहुततकाल ९८
कुट्यौघावलषिप्रथमहीसीचैसीतलनीर वां
धैकीचलपटिकैमिटैव्रनलनपीर ९९ चा
वरघ्रतसत घोतसौपीसिलेपुकरवौउ जाठे
छाछिमजीठयेघावलेपकोल्पाउ २००

अथ भगंदरस्य॥ धाइफूलचूरनकरैऔरसीतेलुमि
लाइ॥ वारंवारलेपनकरैऔग्निदग्धव्रनजाइ॥१॥
त्रफलालेइजराइकेऔरऊगरसीकोतेलु॥ याकोर
लेपुकरैसहजअग्निदग्धव्रनठोलु॥२॥ [illegible]
[illegible]॥ गुदाऔंडकेवीचहोपकिफोरामिटिजा
इ॥ पीरकरैऔतिपाचविधियहेभगंदरजाइ॥३॥
पुनरनवागुरवेवहुरिसोंठिइंद्रजवपात॥ पीसि
लगावभगंदरहितोफोरामिटिजात॥४॥ तिल
मजीठसेंधोसहतगजकेसरिसुनिसोत॥ घृत
दातौनिलगावहूफिरिनभगंदरहोत॥५॥ कर
हारीदातौनिऔरकुरीहरदऔरऊआक॥ बीजप
रकेरवीऔरसनोनतलकरपाक॥६॥ इनकोकल्
केवनाइकेतलवनावैजैन तेलुलगावैतेमि
टैरोगभगंदरचैन॥७॥ [illegible]॥ हा
थदातनषकेलगैजोनिदोषतेसांच॥ विनादोष
उपदंसयेहोतलिंगविचुपांच॥८॥ धोवेत्रफला
काथसोंभंगराकोरसडारि॥ षतालिंगकेदूरिक
रिअरुफिरगदेटारि॥९॥ त्रफलाडारिकेराह
भेसहतसंगकरिषाष॥ करैलेपउपदंसकोयह
मुनीसगनभाष॥१०॥ कोहाकजानीवबरजामुनि
सालहपात॥ तेलपावैकल्ककरियाकोउनकहि
जात॥११॥ दाहपाकअरुपीरजुतहेउपदंससुदो

पारोमिरच्वेमोंढामस्तिगीक्ककरकरापुरि
छुटइवाइ विरगलेइलुवतीनितीनिसुनि तो
लनवाचालीमदोइग्यागरतहांडारकु
ग्रजमोदइतिकुपुनिपुरनिरधारकु करिगा॰
इकर्षभरिषाइकेइसदिनने मृपर षादु
रावकुरिनरमिटावउपदंसजर १२
पुरीयासवरीदहमेजानिकेसषाजुस
मान ज्वरलगैपीडाकेरवहविसर्पपरवा॰
न १४ ग्यागनिजरेकैसपरेफोराग्गहजुरेहा
इ कफवहस्ववरीदहमेरकतपितते सोइ १५
जाठाचंदनलाइचीतगरहरदलेदारुमासी
वकलासिरसकोकूठसुवारीसाइ १६ करैले
पुघृतडारिकेपतादाहजुरजाइ ग्रोषदिगो
रकहीसरस्यहविसर्पकोग्माइ १८
गुस्वमोथापस्वरपान षेररूसोलेइसुजा
न लेसुतेनिकासकारोवत नीमपातदोउहर
दीलेत इनिकोकाढोषाइबनाइ फोराफुडे
षाजुमिटिजाइ जाइसीतलारोगविसर्प १
सीतपितगरुजुरेकोदपै २० त्रफलानीमचि
राइतोचंदनकुटफोल्याउ ग्रासपरस्वरकेपान
वासाग्मानिमिलाउ २१ येग्रोषदिसवृषाइ
केकरिकेइनकोकाथु कंडुदाहुविसर्पजुर
त्रष्णाकोकरिहाथु २२

[illegible] हरुवा ॥ दोहा ॥ रोषकोपकरिनस
निमैपहलसोयुउपजाइ ॥ रोरासमकीराकेढ
उसदरोगवहआइ ॥ २३ ॥ गाइमूतसोंपीसिके
वीजववरलगाउ ॥ रोगनहरूवासोयुअरुपी
रानुरतनसाउ ॥ २४ ॥ घीउगाइकोखाइकेतीनि
दिनाफिरिघाइ ॥ लैगडिकोरसतीनिदिनरोगन
हरुवाजाइ ॥ २५ ॥ दोहा ॥ वीठकवूतरकीले
आउ ॥ तामेथोरोसहतमिलाउ ॥ गोलीवाधिली
लिलेताहि ॥ रोगनहरूवाबिदाकराइ ॥ २६ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ दोहा ॥
फुरीयाहोइमसूरसमवहमसूलिकाजानि ॥
गरोगकेउअरतिभरमजुरपहलवषानि ॥ २७ ॥ सी
तलजलअमलीहरदपियापहलहीजानि ॥ ता
केपाछेसीतलाकहैनयहलेमानि ॥ २८ ॥ वलवे
नकोक्काथुकरिवासोचेतमझार ॥ पीवैताहिम
सूरिकाहोइनयहनिरधार ॥ २९ ॥ [illegible]
[illegible]पकरिसूनावारेवार ॥ एकसीतलाकोक
है ॥ यहीवडोउपचार ॥ ३० ॥ जमसूरिकारोगको
कहेपहलउपचार ॥ सकलसीलाभेदकोतेजानो
निरधार ॥ ३१ ॥ गावेजेवमसूरिकाचदेताहिउर
आनि वीजालेसागोनिकोसीतलजलकरिआ
नि ॥ ३२ ॥ यातेतेजुचलेनकछुसछमफुरीयाहो
इ इनकहऔषदियहसरसकहीमुनीस्वरसो
इ ॥ ३२ ॥ [illegible]

छोडै मंगल गीत और बाजे न बुनावै ध्या
रवुस्त रहो इ और नूतन तजि डारै लीपि पोते न ही
नहीं वह रासौ जारै आथर वरु वार है ताघर मैं ये
बात सब न करि विचार नर तव करे हो इ जाइ नीरो
गज व २२ वव
परिश्रम होइ न खाइ पचावही खाटी कर ५
ऊ कार सु आवई अरु विकऊ अरु दाह सु वकत
वखानीये अगन पित्त इ मि रोग सुल छिन
नीये २३ लै कदुडा पर पक छोलि वनी मट
का भरि डारि सेर छह नीर चूरि लेमं दयो चक
रि वाको करे कसार डारि गाइ को घीउ तव
नरीयर गरी भरी सोर हट कासु सव गा ५
पी सिअरु डारि गाइ को दूध पुनि करीये क
इ मिज तन सो जरै न वह यह सीख सुनि २४ पा
च सेर गो दूध सिता पेसा चौ सठि भरि डारे दोइ
सार पाग पहले याको करि तज पत्रज अरु धनी
परा चंदन एला मोथा दाख कचूर सिघार
मेला अरु उसीर चूरन करै पेसा पेसा भरि सकल
ये डारि वाधि गोली कर हु करि सीतल भरि एक प
ल २५ अगन पित्त क्यों हु न मिटै जो व
ह कै है असाध्य सेवन ते या पाक के होइ जाइ सु
ह साध्य २६ दीध नाज वा सो पी परे दाख हरद

रूषांड॥ मधुसो चूरन षाइयह अजन पित्त करि
भाउ॥ ३७॥ गुरपीपरि अरु दूधसों षईयेघाउ
पचाइ॥ केयुर कुहडा षाइके षांड आवरे षाइ
३८ [illegible] सीत पित्त तें देह मे पर
दे दोरे जोरा॥ केडु जिमि कोटे बरर रोग उदर
रकठोरा ३९॥ [illegible] नेवाइ नि मेथी सगाहर दवो
तो नीदेउ॥ [illegible] मिरचै यआ पदेर कोस्का
भरिलेउ॥ ४०॥ गेधि कदो इट का मस्खा तो जि
सुद्ध कराइ॥ चूरन करि गोली करे आद को
रसनाइ॥ ४१॥ रोज अथे ला एक भरि गोली षा
उठि प्रात॥ तानै गोन रके सह रोग उदर इतु जा
त ४२ सोधो घृत तत्न चुपरि के गोद अवरत्ता
ल सो वे रोग पउदर रको मिटे दहो रा घात ४३
सेधो घृत गेरू सरस अरु कुसमके फूल॥ कोरेउ
सटे नो तो मिटे रकत पितीयह सत्त॥ ४४॥ गुर
अजमोदा फुटिके तन कुडारि कटूले तु षाइ
तुरत ता को मिटे रकत पितीयह ऐलु॥ ४५॥ [illegible]
[illegible] उग्रपात आहार अम घाम बिरे
धांनि॥ कोट आठार हम्भाति को इन व्रात नित
४६॥ [illegible] सरसो के जाहुर रह रर

कुठत्ताइचौथाइविरंग सामसिसोफचिताव
रैसंग गलदोतोनिरसोतपिसावे करैलेपुय
हकोटनसावे ४६ दूनएकचफलानेलेकर
रससोमिलवातामधियरे कजलगोटेते
वलगुगसो चौथाहिसारहेवहगसो ४७
तामधिरसपलगगलडारे दसपलघाडतेह
निरधारे एकटकाभरिवकुचोडारे गोरगो
घटैयेनिरधारे ४८ नीमसुपरदारनवीजो
टूहरदीचित्रकलेतोगो हररमूलोठगोरसुर
र भारंगीगोरनिरधार ५० पैसापैसाभरिए
येलेउ चूरनकरिया जतमेरेउ यसकोटे
वेहसुजान गोलीवांधेवरपरवानपर गोली
खाइएकउठिप्रात वहुतभांतिकेकोढनसात
यहसर्वगसुंदरीवरी कोढनिकाजमुनीस्वरक
री पर [illegible] लेगडिगाकमकारि
गरुसरफोकागरुगंड इरनीछोकरि [illegible]
स्यामधतूरोपंउ इनकोवककेलालाइके [illegible]
रसुषवाइ तेलजत्रपातालसोलइफेरिक
नसाइ ५४ मासभरियहतेलनरगुनेगासदि
नषाइ मिटैकोढयासोतुरतदिवादेहहलाइ
५५ पलभरिरंगंधिकपलभरिपारो मयोसार
पलभरिनिरधारे चौसठिपलहरतालमे
उ पलभरिगगारलालसुदेउ ५६ त्रफलाली
जोगरुपलतीन लेइवकाइनिपलभरिवीनि

५७ चोसठिपलकजाकेवी

याको गलितनुगादि

एसवजाइ कोटकुठारनामरसग्राइ थव

ह्रेनवाव मा वादाद वाग जनरमीदाना

संग ६० किरवारो

करुवोतेलपवारके

६१ यज्ञोपदिसवपीसिके

पिठीसमानवनाइ करैउवटनोदेहमेपामाप

दिकमिटिजाइ ६२ नेकुटावीजपवारकेजरम

राकेवीजमठामेतिसवपीसिकेपिठीतुल्यकरि

लेन ६३ ओपदिपिसिकेउवटनोकरैगगयह

[redacted] सिहवाज्ञादिकदादुकोदूरिकरैततकाल

६४ गुंजाचित्रकमूलसंधुकीरावहरदपु

नि सेहडिदूधकयूक्षवीजगरदूवहररसुनि

इनौनसौधौतुलगावै तरऊपरथारिपत्रएकदि
नरातिधरावै हरतालपत्रहूगुनेफिरिनिबुबाकौ
रसडारितव कोरिचंद्रहोनछुटकाइसतिलपटा
वैतवपत्रसव ६६ कपरोमैथरिपत्रगैसीवहूरि
बनावै कपरौटोइमिसानगैदआरकरवावै
सुषइगैदकीरिगडागाचैदैवहुतपकावै सणा
गसीतनिकसाइपीसिवहचूनकरावै दोइरती
भरिचूनवह मिश्रीमासेचारिभरि यहषाइगात
उठिपछ्चजुनवारिपीपरडारिकारि ६
वातरक्तमंडलवहुरिदादुषाजुउपदंस रक्त
विकारविसर्पकोयासोरहैनगंस पि गौ
मौ ना न ट र तं षा य ले
ना व यो का स्म सि रो दो सू
रजहतगाधासिसीविगिहोइसितवार सह
जपीरगादिककैहसिरकेरोगअपार १ मो सिर
गावेह्रा छिसोकूठगांडकोमूल पहू कितलभ
चकुदकेमिटैमूडकोसूल २ केसरिघृतमेभूजि
केतामधिमिश्रीजारि घोरिदूधमैनासुदैयेगुन
पहलविचारि ३ नाककाअमौदैन पतमूडस्व
लसुकवैर सरजवतगाधासिसीमिटपत्र
जोर ४ जाठैमोथापीपरसौठिहुसोफउसा
गठापीसिजलतलेपुकरितु रतमिटैसिर पी.

॥इनके

रोग॥दो॥चौपई॥व

लोउ॥तिनिकोकुटिसूरस

॥७॥दोहा॥

नैननरोग॥

॥गाँ॥ दोहा॥

॥दोहा

ककेजातीकेपात

॥१॥॥दोहा॥ जाडेगुरू

॥स

सकलनैननकोरोगमिटावे॥१२

औररोगउपजेनहींउपजैसोनसिजात॥

॥१३॥दोहा॥

नरतिभरनैनकोटारि॥१४॥पीयेनाक

सोप्रातउठिविमलसलिलनरकोइ।

कफगकउदरोपजरोग

संगसानिकैं त्रफलाचूरनषाइ चाकर छाउ नहीनधन नयनरोगसोजाइ १८ आजेवरके दूधसो पीसिक पूरभीमसेन फुली मिटे छोटीवडी अरु पावेनर चैन १४ पीपरित्रफलाजोद अरुलाषसु सोधीनोंनु धि सिभगराकेरंगसोंकरिगोलीनरतोन १५ धिसिगो ली अंजनकरैयेयुनसरस विचारि तिमरिकाचवं उफुलीनयनरोगदेटारि १६

दुष्टपवनकफसहितकरुकानमेलकोपो
ष पाकस्रावअरुबधिरतासूलकरतयेदोष
पकेपकेआछेसुंदरसेआकपातह
सवारहलावहु धीक्चुपरितिनिपेअगारधरिपा
तसुमंदमंदसिकवावहु २१ मीठिमीडियेपातका
टिरसकांनमाऊफिरिफिरिनिचुरावहु कानसूलथा
हीओषदिसोंप्रवलवेदनासहितमिटावहु २२
तुरतसोंठिअरुहींगसोंसिंदसुसरसोंते
सूलचधिरतानादयेहरेकानकोमेल २३
समुद्रफेनपिसवाइडारिभुरकनीकानमें पी
वुकानकीजाइरुधियारोज्योभांनतें २४
सूरजमुखीसिंदूरीयामूललागलीनीरबुकुटकान
कीक्रमिहरेयेओषदिअरुपीर २४
झरिवोजोहूपीवुकोपीनसअरसविचार रोग
होइइमिनाककोसुनीयोजतनविचारि २५

श्रीगणेशायनमः अथवैद्यमनोत्सव लिख्यते ॥ दो
हा ॥ सिवसुतप्रनवोंसारदारिद्धिसिद्धिनितदेउ ॥ कुमति
विनासनसुमतिकरमंगलसुदितकरेउ ॥१॥ अलखअग
तिअलखगतिकिनहूंनपायोपार ॥ जोरिजुगलकरकवि
कहेदेउदानमतिसार ॥२॥ वैद्यग्रंथसवमथनकरिओसु
भाषाआन ॥ अर्थदिखायोप्रगटकरिऔषदरोगनिदान
॥३॥ ममतिअल्पजुकहतुहोकविमतिपरमअगाध ॥ सु
गमचिकित्साकहतुहोछमिजुसवअपराध ॥४॥ वैद्यम
नोत्सवनामधरिदेखिग्रंथसुप्रकास ॥ केसराजसुतनेनसुष
भाषाकीयोविलास ॥५॥ प्रथमनसातछिनकहेदेषिग्रं
थमतिसोइ ॥ फुनिआनोंअनुभावहोंनेतीममतिहोइ ॥६
॥ अथनाडीपरीछा ॥ करअंगुष्टामूलहोरेषहुनसाप्र
कार जानहुसुषदुषजीवकोपंडितकरहुविचार ॥
७ ॥ आदिपित्तपुनिमध्यकफअंतुपवनसुप्रधान ॥ त्रि
विधिनसातछिनकहेजानहुवैद्यसुजान ॥८॥ मि
डुककागकुलंगगतिपित्तनसाइहभाइ ॥ हंससमयू
रकपोतकफनागजलूकावाइ ॥९॥ तीतुरलवाबटे
रगतिसोधमनीसनिपात ॥ चलेछीनअतिसीतहो
इनसाकरैयहघात ॥१०॥ क्षुधावपत्तधमनीकरैउ
ष्णककीजानि ॥ थिरातनप्तकीफुनिकहोभावगभी
रबषानि ॥

जीया॥२॥ग्रह ... इकौगुनिहोनी॥प

विषमासनजुघटाईषार क्षुधानृषातेबहु
जहार कटुकतिक्तअम्ममदिरापान सेवैसोम
ाधपरवान १३ उष्णजुषाइधूपमेगमे गाधी
तिदुपहरीसमे कातिकजेठग्रसुनिवैसाष
पत्तविकारप्रगटकहमाष १४ मधुरसुगंधद
घृतिलनवनीत मौनघटाइपलजषसीत
ोजनतप्तओरदिनसोवे फागनचेतसेमक
फहोवै १५ बोलतुगवादटत्तगहे चिंतापद
भयानककरहे रूषाषाइकटुकनिसिजागे संध्या
समेसीततनलागे मद्यानकरैकसेलासाइ कि
यैप्रकारवाइतनहोइ क्रोधमोहभ्रमचित्तगुर
है ज्ञानलपित्तकफलछिनयहै १७ मा
रगपोषजुमाघमहिआवनभादोतास पुन
षाटपंडितकह्योवाइराजषटमास १८
मुषकटुताषाप
जप्रलाप स्कहिआधरघेट्यो स्वाप मूर्च्छा
सीतपरप्रीति लछिनसुनहुपित्तकेमीत
षहरषासीस्वास मुषमीठजुमूषकानास
यमारीजुगलयहरैहै कफकेलछनएतेकहै
देहीपीडाताल्जर ओलसउवामनमाहि
होसीतलनिदानासे रूषाअंगमेहोइबहुताए
मूर्च्छानमुषफीकाहै उष्णप्रीतिकौपुज्वर
ाकीवियोकहैबषानि मारुतलछनएतेज

त्रियसंगमश्र
रुवीजनासीरसलिलस्नान। भोजनमधुरसुगंधता
करेपित्तकोहानि २३ क्षारकसलातिक्तकटुतप्तोद
करउपवास क्वनविरेचनस्वेदपुनिहोइइनहिकफ
नास २४ तप्तोदकरूतउष्णइविमइनेतेलसरीर
सुरापानसेकेदहनइनतेजाइसमीर २५
होइअपाजुरहीन करपदनाभि
जुतपहो मृदुरसनापरखीन सुभलक्षनताकेकहे
२६ जाकोंजगरहेचेतन्य सुषनिद्राआवेजु
वसच सुभचित्तवनिसुनेवेनजुकेह स्वादगंधसब
केगुनलहे २७ बिनुप्रस्वेदजुरजाकेहोइ सरलउ
स्वासहोनेकफसोइ करहुचिकित्साताकोजानि सो
नरजीविकह्योबषानि २८
जाइजुमारुतपित्तग्रहपित्तजाइकफग्रेह क
फजोविजवकंठमेप्रानजाइतजिदेह २९
कंठविषेकफहोइ: निसादाहपुनिसीतदिन मरेजु
रागीसोइ कछूनबनेउपावतसु ३० गुदाक
[illegible]रहीनसुरकासस्वासपुनिजास व्याकुलहुवको
[illegible]तनतिहिजमपुरहिनिवास ३१ हृदयचरनकर
नासिकानाभिहोइहिमजास सीसतप्ततिहिकोरहेज
[illegible]रताकोवास ३२ दरपनजलघृततेलमहिछाया
[illegible]हजानि सीसरहिततनुदेषियेनासपक्षमहिजा
नि ३३ मज्जनकीयेतोनिकोगकरपदहियेनिहारि
[illegible]हितसुतत्कालजोसोमृतुहोइविचारि ३४

आरुदीपकखुफे आवेकछूनगंध मतिलज्जादुतिनामहृव
नामुदेइजमफंद ३५ आंदाशा दिजु आंतमृगमधमूलेषु

आ	पू	उ	अ	ज्ये	ध	स	भ	कृ
पु	म	ह	वि	मू	अ	पू	श्र	रो
पु	श्ले	चि	स्वा	पू	उ	उ	रे	मृ

मिहोइ नक्षत्र
इंदुरविनामनु
एकनसाजवहो
३ ३६ रोगीमृ
सुजुहोइतका
रिकालचक्रधरिना
जहांजमधाम सोसिवकह्योविचारकरिकालचक्रधरिना
म ३७

हिक्का विटगृह मूर्छनाकासस्
मप्रतीसार ववनविरेचनउदरदुखज्वरलछिन दसाकार
मूर्छानबाप्रलापपुनि
वर्त्तभ्रमचित्त नेत्रदाहकदुतावदनयेलछनज्वरपित्त सी
कासस्वासरोमांचगुरुबहर
ववनअरुचिमुखमधुरताकफज्वरलछिनमीत ४०
सिरकंडरोमाचभ्रमसीतकंपज
हसिथिलजुकबायमुखयेलछिनज्वरवाय ४१
दाघसोषपरितापुः अस्थिपीडसिरवर्त्तिभ्रम रत्तलु
पकेज्जुग्रंथविचारकरि ४२
नविरेचनउदरदुखवहुउकारहियजास लछनरसज
सोदेखेग्रंथप्रकास ४३ जृंभनमुखबहुअस्तुतनउदर
अंग येलछिनजुरदुष्टिकेके ज्युदिष्टिप्रसंग ४४
निद्राजृंभ

तनहोइअंगपरस्वेद कहैसुवैद्यविचारिकैयेलक्षन
ज्वरभेद ॥४६॥ [illegible] कालज्वरलक्षण ॥ सीततप्तपरस्व
रतनकरुपदसीतलहोइ येलक्षनज्वरकालकेतिस
हिउपावनकोइ ॥४७॥ [illegible] ज्वरपरिपाकाचौपई ॥
वातसातपित्तनवजानि कफवारहदिनरहेप्रमान
[redacted] सनिपातमरजादप्रमान केजीवैकेरहैनिदान
॥४७॥ [illegible] ॥ सप्तदिवसगैथवाह्म दसवासरकहु
पित्तके कफहादसदिनग्राह जानहुज्वरपरिपाकहु
॥४८॥ [illegible] ॥ सिरकंडुरुपस्वेदलघ
देहीलघुताजासु प्रुषपाकेवहुभषछिकयेलक्षनज्व
रनास ॥४९॥ [illegible]
सोठिकटाईपुहकरमूल काकरासिंगीकुरोफ्लर मु
हलेठीगिलोइआमला सालिजुपर्णीहलदपीपला
म्प मिरचकलोंजीत्रैत्रायमान पीपरिपत्रजेतेताम्रा
नि मोलथमासेकुउमिलाइ लोचनवालामेथाया
[illegible]सीससुरदारुहिवानि मोथापटोलअजवा
[illegible]न चित्रकअभयापीपरमूल येऔषदिमत्त
[illegible]ल ॥५८॥ इनिऔषदिकोचूरनकरहु नामसु
दरसनलेघुनाधरहु चूरनलीजेजलमेघालि गोठी
ज्वरनासेततकाल ॥५४॥ दोषमोहमंदानरहाइ संनि
पात[illegible]राजाइ पांडुरोगकामलावाइ होयागुरा
[illegible]भजिजाइ संनिपाततेरहनरहाइ भ्रमज्वरवा
[illegible]रोगनसाइ कासस्वासकीपीराजाइ चूरनलघुसु

दोइटेकएग्रान

वदेसोइ रसआदेसो मदियेवरीरतीसमहोइ
वयेयात और रसआदेको घालि तापणुलेकफ
नासहोइ तत्काल धुट तोजाइ जोनि तेको वोथा
रुजाइ सूक्ष्मविषमजुसीतजुर उदरव्याधिनरहाइ बे
महाजुरांकुसनाम धरिआत्रेयमहिजानि ६०
मनोत्सव ग्रंथमहि भाषाकह्योबखानि
संपमसमहर तालसमआठटे
टंकतीनिपु
केसुविचार नीलाथोथा दोइ
कुमार आषदिसंपुटमाहि धरिताकोगजपुट
इ पुहरचारिपावकधरैसोतनलमंगेसुलेइ ६
२ एकतीजुप्रमानगहिपाइसोदीजेजासु भात
घेकोपथ्यदइहोइसीतज्वरनासु ६३ कह्योज
कुरचरकमाहि पंडितलेहुविचार नामहिरा
अनेकविधिसिद्धप्रगटसंसार ६४ रसके
तापरिमनसिलनीवफलरसकेदापमि
नीपाइ गीलीकोजेपीसिके तापत्रदापमि पित्तप
६५ टंकएकप
जानि जलसोपीजेपीसिके
घघपित्तज्वरनारहै ६६ चंदनपित्त
लोचनवारैमोथाजानि दाघ
रोजानि सोठिउसीरनीरसोलेइ
स्वासकरेइ ६७ फरपीपरिनाहिमि
सोठिमिरचगिलकोइ कफजुरखनमैज सौठि
नासजुलीजेनीरसो

रपाइ॥ पीपरि मिरच चिराइतो कुटकी सिवारस्त
इ चूरन हरै जु वात ज्वर ॥६९॥ मल ज्वर को ग्रंथ
कग्रस्क लिचाल मोथा कुरो हरीतकी पीयहु ग्री
थत तकाल मल ज्वर कफ को नास होइ ॥७०॥ कुष्ठी
रस ज्वर को नाम ॥ अजमोदा जु हरीतकी सोचर तं
म हि पाइ पीसि पियै जल तप्त सो र स ज्वर छन म
ह जाइ ॥७१॥ अथ पथ्य ज्वर को ॥ मर्दन की जे तीन दि
न नै ल तिली को लाइ पुनि मज्जन जल तप्त सो षेद
ताप मिटि जाइ ॥७२॥ अथ दुष्ट ज्वर को दुषि ॥ पीप
रि मिरच चिराइतो सों ठि हीग सम घालि चूरन षैये टक
रो ताप दूरि षिकोटा लि ॥७३॥ अथ ज्वर दोष को दुषि ॥ मो
था सोंठि चिराइतो पित्त पापरा जानि पीपरि कुडो गिलोय
पुनि ये सब पीसहु आनि ॥७४॥ यह चूरन ज्यु प्रसस्त अ
ति जल सो पीजे प्रात अन ल पित्त कफ दोष त्रय होत स
बै ज्वर घात ॥७५॥ सन्निपात ज्वर को दुषि ॥ पीपरि
सोंठि गिलोइ पुनि गोमूत्र हिंगु मिलाइ जल सो पीजे
टंक सेर सीत ताप मिटि जाइ ॥७६॥ अथ विषम ज्वर
पीपरि सिवा जु आवलै चित्रक सो थो दोइ चूरन पीजे
नीर सो नास विषम ज्वर होइ ७७ स्वास को दुषि
म ज्वर को औषध ॥ कया ई पोहो करमूल गा
नि सम नलजु सोंठि गिलोइ आनि यह क्वाथ की जी
यहि जल मिलाइ कफ कास स्वास ज्वर विषम जाइ
७८ सन्निपात ज्वर कौ औषधी ॥ पीपरि गूगल पाय

पुनिस्यामवस्तुमैमति धूनीदीजे प्रात उठि ज्वरवातु
थिकेठेलि   मेथीपी
परिमपीसिकेमधुसौचारहुजानि हिकाकासस्वा
सज्वरहोइपलकमेहानि ८०
                                    सिदरफमिरचैपीपरैबि
षटंकनजुसमान आदकरसगोलीकरहुएकसौप
रवान ८१ आनन्दभैरवरसकह्योसनपातजुजाइ
वातरोगसीतांगकफमोहसूलजुरजाइ ८२
                                    गधकपारदपीपरैमिरचैज
रोदोइ पंचलौनत्रयषारबिषआम्रकुसोठिजुसोइ
८३ आदुकरसअरुपानकेसबओषदिपुटदे२ एरपि
तचनाप्रमानगहिगोलीसुमतिबधेइ ८४ रसचिंता
मनियहकह्योकैनाससनिपात आमसवसवसी
सूलकफहोइबिषमजुरघात ८५
                                    मिरचपीपरैसोठिबिषगं
कपारदजानि टंकदोइयेतीजोयेकन वीजत्रयभा
नि ८६ मर्दनकीजेतीनिदिनरससुभांगरेपाइ गु
समगोलीकरहुप्रातकालउठिखाइ ८७ सेन
तांगकफसमीरजुमिलाजाइ मंदअग्निउन्मा
एतेरोगनसाइ ८८
नीयामाथाचिराइतौकहुइदुजवजानि स्वेदा
रुदसमूलअरुसोठिगजपीपरिमानि ८९ काथ
जुकोरिकेपीजियेसनिपातज्वरजाइ तंद्राहिकाव
मनकफकासस्वाससजुमिटाइ ९०
निकुटात्रफलाहीगवचसेंधौकहुमिल

पुनिसाम वस्तु मैमेलि यूनीदोजे ज्ञात उठि ज्वर वात
थिकैठलि ७९ मैथ्यौपी
परिमैपीसिके मधु सोचाटइ आनि हिक्का कास स्वा
स ज्वर होइ पलकमै हानि ८०
सिंदरफ मिरचे पीपरै वि
षटंकन जु समान आदक रस गोली करहु एक तोप
रवान ८१ आनंदभैरव रस कह्यो सन्यपात जु जाइ
वात रोग सीतांग कफ मोह सूल जुर जाइ ८२
गंधक पारद पीपरै मिरचै जी
रे दोइ पंचलोन त्रय षार विष आम्ल कु सोठि जु सोउ
८३ आदकरस गुरु पानके सब औषदि पुटदे ३ परमि
त चना प्रमान गहि गोली सुमति वधेइ ८४ रस चिंता
मनि यह कह्यो कैनास सनिपात आमवात वेसी
स्लेक फहोइ बिषम जुर घात ८५
मिरच पीपरै सोठि त्रिवाग
कपारद जानि टंकदोइ यह लीजो येक लवा चयन
नि ८६ मर्दनकी जे तीनि दिन रस जु भांगरै पाइ
समगोली कर हु प्रातकाल उठि षाइ ८७ सेन
तांग कफ समीर जु घला जाइ मंद अग्नि उन्म
एते रोग नसाइ ८८
नीयां माया चित्र राइ तोक इंद्र जव जानि स्वेद
रुद्र सम मूलम रस सोहि गज पीपर जानि ८९ कायु
जु कौरक पीजिये सनिपात ज्वर जाइ नेत्र आहिक्का व
मन कफ कास स्वास जु मिटाइ ९०
त्रिकुटा अफरता हीमबेच सेंधो कटु मिल

पीतजुसरसौसरसुनियेक्रोषुदिंसमभाइ॥९१॥ग्रं
जामूत्रसोपीसिकेकरिग्रंजनुनेनाइ॥अपस्मारउ
न्मादभ्रमसंनपातनरहाइ॥९२॥तिमिररोगपुनि
ग्रंधनिसिमूतदोषसिरवर्ति॥वैद्यजुकह्योविचा
रियहइतनेकेरनिवर्ति॥९३॥[illegible]
[illegible]॥पीपरामूलचिराइतोसोठिसुइन्द्रजौमिलाइ
क्वाथजुकरिकैपीजियेसन्यपातनरहाइ॥कुंकुमलौं
गजुपीपरेग्रंकरकरहाजुमिलाइ॥ग्रंइकरससों
मर्दियैटंकएकतवषाइ॥९४॥सन्यपातउन्मादकफ
निद्रामारुतकास॥सीतपित्तभ्रमग्रोज्वरइनको
करैविनास॥[illegible]॥मिरचमसी
गीडाडिमकली॥वंसलोचनाग्रंमृगछाली लोद्
मरहठीमाईथाइ॥माजूफलजुमोचरसपाइ॥
कुडाजाइफरकीकरफली॥कैथविभागग्रंवरस
मवल॥सवग्रोषदिभागसुचारि॥पेटवीजगरी
धा तिनिजारि॥पीसहुग्रौषदिएसवग्रानि॥ताकेगु
नजोसकेवषानि॥ग्रोदनमठापथ्यदेइजासु॥
ग्रंतीसारसघूहोइनासु॥[illegible]
माथामिरचसोठिग्रंरुधाइ॥विल्वपतीसमोच
रसपाइ॥लोदलजातूग्रंवकेवीज कुडापादइ
कुजवलीज॥९९॥लोचनवालापुनिमधुपाइ॥
तंदुलजलसोपीडिमिलाइ॥मठाभातभोजन
जवलेइ॥ग्रंतीसारकुनमाहथमेइ॥१००॥[illegible]
[illegible]॥सोठिधातुकीमोचरसग्रंजमो

दाजुमिलाइ पीसिक्काछि सोपीजीयेगतीसार
मिटिजाइ गामवीजगरु
जाइ फरबेलकेथुजगफीम जलसोत्तपुनः
भिपरगोषदिकहोइकोम २
सोठिकुडाजुपतीसहिगमे
थागिलोइमगाइ क्काथजुकरिकेपीबियेगती
सारजुरजाइ ३
लोचनवालाकुडापतीस मोथावेलुजु
समकरिपीस थाकोक्काथुजुकोरे मिलाइ सोनि
जगतीसारजुरजाइ ४
लोदुबइंदजोमाचरसमोथावेलजुथाइ गुड
सोगुटिकाकोजीयेगतीसारथमिजाइ ५
सेधोसोचरहीगवचसिवापती
सरलाइ पीसिपिये जलतनपसोगामगतीसा
रथमाइ ६
धनीयामोथासोठिपुनिवलावीजकथ
घालि क्काथजुकरिकेपीजियेसंग्रहनीकोपलि
मोथासोठिमि
७
लोइपतीस नपनीरसोपीजेपीस गामग
चिसंग्रहनीजाइ वाइसलछनमाजमिटाइ
चिसंग्रहनीकाथ
८ गामगलचिसंग्रहनीकाथ
लोदुपाटलजारूमोथासोठिवेलुरलावहू
नीयापतीसमिलोइवालाकुडाधाइमिलाव
हू समपीसिगोषदिक्काथकरिकेप्रातउठिके
कीजिये गामगरुचिरुसंग्रहनीनासहितय

॥इति॥ वैद्य केस्वदा सहुतनयन सुखवि
चि ते वैद्य मनोत्सवे ऊ. रस नुपात म् तोसा रसे
ग्रहनी रोग ॥ती सारनाम ६ तीक्ष समुद्र राग
य नवे सो रोग चि [illegible] सा ॥सूरन वटि का ॥दोह॥
रक म्रिस्च विवि सो ठिपुनि चीता ॥आठ प्रमान ॥ सू
रन षोडस भाग ले चूरन करहु सुजान ॥३॥ दुगन ले
हयुड पाइ के गुटी करहु टक दोइ ॥ पेट ॥अफरा गुल्म ग
दना सव वे सी होइ ॥ [illegible] ॥ अरलु चीता
इंद्रजव सुंठी सेंधो वेल चूरन पीजे तक सो रोग व
वे सी रेल ११ [illegible] सरनु वच ॥अरमूस
लो कुडो सोठि सम भाय पी सिक्षाक्षि सो पीजी ये रो
ग वव सी जाय १४॥ [illegible] बडो दुर्थी ॥ग॥निघ्र
त लो गनि सो पीजीये टक सात परवान रक्त व वसी
नार है १४ [illegible] दे तो हल
दनुआ वर पीस हु नीर मिलाइ ॥ लेप नु की जै घातउ
ठि रोग भगंदर जाइ १६ ॥असत विलाई ॥आनि के त्रिफ
ला रस संजोग ॥ ताघसि तप्र रलाइ ये जाइ भगंदर रु
ग १७ सेंधो सोठि सुहरद पुनि वड फल वसा गि
र ॥ लाइ पत्र घिसि लाइ ये नास भगंदर हो इ १८
[illegible] ककुटपारावत्त की बीठि वास वकेली या दी
दीठ किरवा रोमन सिल हरत्ता र ॥ हींग सहित सम
सि सुधार मैनु मिलाइ मल्ह मयो केर ॥ सव प्रकार
ल्ता हरै ॥ १९ ॥ द. ह ॥ स्वान ॥अस्थि ॥अरु के चूना त्रिफ
त्रिकुटा लाइ ॥ मदा दधी कोले इ२ ...

रोगकोस्रवभगंदरषोइ २१ त्रफलागूगरपीपली
पीसहुनीरमिलाइ गुटिकाकरिपुनिलेपियेरोगभ
गंदरजाइ २२ त्रफलाक्काथजुग्गानि:
भगराजरसमलीये धोवेगुदासुजान:दहभग
ररोगको २३ महदोषोउमगाइ:त्रफलाकोका
ढोकरे दिनप्रतिहठिलगाइ:महभगंदरनासहो
२ २४ सोचरसेधोहीगसो
ठिग्गजवाइनिलबिडंग ग्गतमोदजुग्गमयाकना
जवाषारसमसंग २५ इनकोचूरनकोजीयेघृत
सोषाइमिलाइ गोलासूलविसूचिकाग्गरसग्ग
जीरनजाइ२६ जीराग्गजवाइनिवच
चीता हीगसोठिसाजीलेमीता सोरासमकरि
चूरनकीजे तप्तोदकसोदिनप्रतिपीजे गुल्मवि
कार उदरकीवाधि जठरलोहकोकहो समाधि
पुनिग्गोषदिकुमारिसोषाइ गोलाफोलापल
जाइ २८
सोसुंठीसहजभावषोमसुरदा काजीसो
पीयेसोजाविथानिवार २९
पीपरिवडीकटाइजानि सुंठगी
पाजीराग्गानि मोथाचीतापीपरामूल गजपी
रिमलहुसमतल तप्तनीरसोपीतहपीसि ग्गा
वातवेदनानहिदोस ३० सूलग्गमषफीहानरल
इ षासीस्वासकनकमेहिजाइ ३१
सोठिविडंगहरीतकीदेवदारसुमेल
इ तप्तोदकसोपीजियेग्गामवातनरहाइ ३२

३२२०रंडपुनिसिवाविडंगणतीसा।मिरचइंद्रजौ
ानिकैलीजेसमसरिपीसि।।३३।।तत्तवारिसौपी
ीयेआमवातनरहाइ।।क्रमपीडाहैउदरमहिया
ीयेज्वरजाइ।।३४।। [illegible] मिरोग।।दोहा।।गूग
सिवापुननवीदारुनिसासुगिलोइ।।धनमूत्रसै
पीजियेक्रमिकोनासुजुहोइ।।३५।।सेधाहरदवि
डंगपुनिपीसहुसमकरिजोग।।तत्तनीरसौपीजी
येनासैक्रमिकोरोग।।३६।।त्रिकुटात्रिफलासिवाव
चनीवतुचाअरुपाइ।।विटुरकुंडासुबिडंगपुनि
चूरनकरहुबनाइ।।३७।।धनमूत्रसौपीजीयेटंका
तीनिपरवान।।सातदिवसयोषाइयेहोइउदर
क्रमिहानि।।३८।। [illegible] ।।सोच
रहीगजुसोठिपुनिआनहुसमकरिमाइ।।पीसि
पीयेजलतप्तसौसूलविसूचीजाइ।।३९।।चौ।।
[illegible] सिलाजीतसतुगोषरूजानि।।सेधोदेवदारुक
काानिमोथापाइबिरंगसमान।।घृतसौमधपेट
कपरिमान।।४०।।दिनचौदहयाविधिसोषाइ।।वाइ
सूलछिनमाहमिटाइ।।पुनिमारंगीसोठिजुल्ली
घृतसौषाइसूलकोठाली।। [illegible] ।।मुहलोठीदेव
दारु।।समकरिपीसहुआनिको।।जलसौकरुगाहारु
राहसूलउरकौमिटे।।४१।।चित्रकसुंठीजानि।।सेंधाही
गजुबिल्वजड।।एरंडमूलजुआनि।।चूरनहरेजुसूल
कौ।।४२।। [illegible] ।।मिस्वपीपरसौठिहिं
गसेधाजीरादोउ।।गजमारजलतप्तसौकवहूसूल
नहोइ।।४३।। [illegible] ।।

कीसोचरसिवासमान तप्तोदकसोंपी जोयेचासस्त
कोज्ञान ४४ तेवरुपुष्करमूली
तचनतीनितवक्षारहिंग अभयातामहितल ग्रवा
सिसुविडंगपुनि ४५ तमनीरमहिपाइटंकनीजिवपीजे
ये सूलगुल्मकफजाइ आमवातत्र्प्राहरे ४८ सोंठि
रचत्र्परुपीपरमाजीतामहिपाइ पीसिपीयेंजलतसे
सूलरोगमिटिजाइ ४९
त्रफलाकुडोचिराइतोवासानीवगिलोइ पीवेकाटोमह
सोनासपांडुगदहोइ ५० त्रिकुटारज
आवलेचूरनलेकुमिलाइ चाटहुघृतमधुपाइके पांडुव
मलाजाइ ५१ लोहचूर्णत्रफलाकुटाहल
होइपुनिलेइ कमलवाइसबहीहरेघृतमधुसोंजादेइ
फलवहालहुपीसिकेंकरहुपोट लीरोग
सघहुनासाकोस्वाससोंजाइकामलारोग ५३
गेरुहलदहुआवरेकरिअंजननयनाहि कमलवा
कोनासहोइपथ्यमसूरजोषाइ ५४ कोनीग
कोंआनितक्रसहितजोपीजइ दिवससातपरवानक
रलननारेह ५५ हींगजुचोषीआनिनागवेलिसोंन
अंजनकरहुसुजान कमलवाइछनमहहरे ५६
गुरत्रफलागइकसोंपीसे कमलवाइआषिनित
गूमारसअंजनकरे कमलवाइदुष्टनाहरे वाफके
नासंधुलीजे कमलवाइतनमेंतछीजे ५७ देवदारु
गत्रुलीजे जलसोंओटहुकाटोकीजे लेवफाहरो
विनिदीजे कमलवाइततकालहिछीजे ५८

असगंधसुंठीपीपरेलौंगैमिश्रीपाइ॥जलसौंपीजेपीसिकें
षईरोगनरहाइ॥५८॥अथ[illegible]॥फूलेआंककेलवंगपु
निपीसहुसमकरिआनि॥गोलीछैयेप्रातउठिहाइषईकी
हानि॥६०॥अथ[illegible]॥आफलासोठिविडंगसु
होधनमिरचैकना॥पीपरामूरलवंगदेवदारुतजजाइचौं
६१॥दोहा॥परमपत्रअरुरासना॥अगनकेसरिसुमिला
२ मिश्रीदूनीसबनिकेषईरोगनरहाइ॥६२॥[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] सोनाम्पौलोलाघरसदान
कुदौनेलाइ॥नासुलेइनरप्रातउठिहिचकीनहोरहाइ
६२॥[illegible]॥मिरचलवंगरु
[illegible]निगिरीवेलकीघालि॥मधुसोदीजेपीसिके
हिचकीपीराटालि॥६४॥[illegible]॥मनसिलहरद
[illegible]निकेपीसहुसमकरिलोग॥अषमहिधूनीलो
जीयनासेहिचकीरोग॥६५॥[illegible]
सरुअवरलैआवे॥मिलिचतुर्गुणजलसोयवे
[illegible]सरइकतबनरपीवे॥तीनिदिनाहिचकीतेजीवे
६६॥[illegible]॥सोठिभारंगीआनि॥तप्तोदकसोपाई
ये दिवससातपरवान॥हिचकीतनमेनारहे॥६७॥
नागवेलिनरलाइ॥जलमिलाइकाढोकरै॥दिवस
[illegible]मरिघाइ॥हिचकीजाइत्रिदोषकी॥६८॥[illegible]
[illegible]॥चंदनमोथालाइचीत्ताजाक

तालवंग वेरमिगीगरुदा मलफलमजाकेसरिसुव
ग ६९ इनकोचुरनकीजिये मधुमिश्रीजुमिताइ
त्रातसेमजवचादीये छर्दिरोग मिटिजाइ ७०
लाजोसितालवंग कमलवी
जसलाइची चाटहु मधुकेसंग: छर्दिरोगकोना
सहोइ ७१ मोरचंद्रिकागानि: कोजेरामतराइके
मिरचहूंके मधुसानि: छर्दिरोगको नाशि होइ ७२
वेरमिगीगरुआवरपडीमाक्षिकामेलि पीप
लिसहतचटाइये छर्दिरोगकोरेलि ७३
सोठिसुपारीकाकरा
सिंगी पहुकरमूलकटुरभारंगी मोथामिरचतप्तर
लेलेइ मालास्वासकोनासकरेइ ७४
कटाइजुपहुकरमूलजानि
सासोठिकुलत्थगानि तिनिपीसिजुसा
सबस्वासकासकोहरैयीर ७५ भारं
सोठिवहेरपीपरकाकरासिंगीजानि
रबूलरसंमपीसहजानि ७६ गोलीकीजेना
कहेरसममेसाइ निसिकेमुखमेराषीयनाश
कोहोइ ७७ वासा सोठीपिपलीयसमपीस
गोलीकीजेसहतसोहोइफसबका पीपरी
सोठिजुपीपरचवीकटाईपाइ
धासीधासीजाइ ७८ समान भस्मदारपच
विषकोडीमिरचेजसमान केरजुक
त्रमान गोलीकीजेमूगसमानी गाकपातगीर
सोकीहानि ८०

१८ राधपीयेनरनीरसोहाइ॥
८१ [illegible] ॥पीपरिलो
दिहरीतकीविवेकलेहसमाना॥पीसिपियेजलतब
मेमोयुधवेद्यवहुतान ८२ [illegible]
सों मन [illegible] नादि [illegible]
लीयेमंदाग्निनुनासिजाइ ८३
मधामाचकवाइविंग. [illegible]
लवंग. [illegible]
[illegible] ८४ [illegible]
[illegible]
मेलाग्निबुनमाहिपताइ ८५
[illegible]
लाइ [illegible]
[illegible]
[illegible]
८७ [illegible]
[illegible]
[illegible] ८८
[illegible]
[illegible]
[illegible] जी
[illegible]धालहरमनाकडुतेलहिगुपकाइ॥लेपनुकीजेप्रात
उठिगंडवृाधेमिरिजाइ॥८९॥अथचूर्ण॥त्रफलाचूरन
कीजीयेघेनुमूत्रमहिघालि॥प्रातसमेउ

नालवंग वेरमिगीगरुजमलफलमजकेसरिसु
यंग ६९ इनकोचूरनकीजियेमधुमिश्रीतुमिताइ
प्रातसेमेजवचाटोयेछदिरोगमिटिजाइ ७०
लाजासितालवंग कमलके
जग्गलताइची चाटहुमधुकेसंग छदिरोगकोना
सहोइ ७१ मोरचंद्रिकाराखि कोजेरामतराइके
मिरचहूंदमधुसानिःछदिरोगकोनासहोइ ७२
वेरमिगीजुरुग्रावरपुडीमाछिकामेलि पीप
लिसहतचटाइयेछदिरोगकोरेलि ७३
सोठिसुपारीकाकरा
सिंगी पहुकरमूलकचरभारंगी मोथामिरचनपज
लेइ मासास्वासकोनासकेरेइ ७४
कटाइजुपहुकरमूलजानि पनिव
सासोठिकुलत्थजानि तिनिपीसिजुपावेतानगार
सबस्वासकासकोहरेथोर ७५
सोठिवहेरपीपरिकाकरासिंगीजानि भारं
रखलरसमपीसहजानि ७६ गोलीकीजेना
कदोइसमसोइ तिसिकोखउमेराखीयेनास
कोहोइ ७७ वासासुठीपिपलीयसमपीस
गोलीकीजेसहतसोहोइकासनासकोनाहि ७८
सोठिजुपीपरेचव्यकटाइपाइ पीसिपीउजं
छासीधासीजाइ ७९ समान भस्मदोइपचाती
विषकोडीमिरचजुसमान कौडेजुकफघ
ऊमान गोलीकीजेमूगसमान अर्कपातगरुडारप
सीकीहाजि ८०

लफूलमूलसमकारि राषपीयेनरनीरसोहाइघ
ईकोहारि ८२ [illegible] पीपरिलो
दूहरीतकीचित्रकलेहुसमान।पीसिपियेजलतन
सोमूषवैद्यवहुजान ८३ त्रिकुटात्रफलाहींग
लोंनगजवायनहिमिलाइ।समगुरगोलीकी
तीयेमंदाग्निदुनसिजाइ ८४ [illegible]
सिंधोसोचलवाइविरंग।त्रिकुटात्रफलागोर
लवंग।चित्रकहींगअजवाइनिग्रान।जीरादो
उसमकरिजान ८५ इनआषादिकोचूरनकरो।
तोन्यौपुटनोक्केथरो।टंकरोइदिनप्रतिहीषाइ
मंदाग्निछुनमाहिपलाइ ८६
[illegible] तेलनिरंकोज्ञानिकरिमर्दनकोनडुध
लाइ।सिरजोगनेनाकत्यौनासविसचोहाइ ८७
तेलतिलीकोज्ञानि.करपदमर्दनको।तो
ये नासविरचीजानि.सिरजोगपंडितकह्यो।
८७ सथोकूटचक्रातितेल।लप्रकर
चूनाकोमूलि करपदमर्दनकीजेलाइ।घहौस्व
लविसचौजाइ ८८ [illegible]
[illegible] दोहा। जो
समधालहसनाकटुतेलहिंग्रुपकार।लेपनुकानेंमात
उरिग्रंडवृधिमिटिजाइ ८९ अथचूर्ण त्रिफलाचूर्ण
कीनीयेधेनुमूत्रमधिघोलि।प्रातसमेंउदिपीजीयज्ञ

सरफोकाटेकघोसंग
३नोथकोदाति ९९
मासनकोसवजुकोर गोडवृद्धि
३३ गोरंडतेलविहालपुनिया
कोनिहैचहै१ ९० गोरंडकोराग ९९ गो
यथजनाग [illegible] जानिकोहै गोडकोराग [illegible]
[illegible] समुहन्वेरब [illegible] लाइ [illegible]
[illegible] ९२ [illegible]
[illegible] हेगोडकोपीरी [illegible]
[illegible] गोडपीर [illegible]
[illegible] गोडकोल [illegible] ९४ [illegible]
[illegible] सात दिव जोलि [illegible]
[illegible] पानीसो [illegible]
[illegible] बासाविस्ना [illegible]
[illegible] ९५ [illegible] दिन
[illegible] कालीस्वतकाथसव [illegible]
[illegible] रोगप्रचेट ९६
[illegible] नासेरोग [illegible] सव [illegible]
[illegible] सिला [illegible] पुनिलेइ [illegible]
[illegible] ९७ [illegible]
[illegible] जोतेइ [illegible]
[illegible] भोजनको [illegible]
[illegible] कोवाकि [illegible]
[illegible] रसगिलाइ [illegible] प्रातकाल [illegible]
[illegible] कोनासहोइ [illegible]
[illegible] सवगोल मिश्री [illegible]
[illegible] सवगोल [illegible]
[illegible] भातकोमाँड [illegible]
तील [illegible]
[illegible] २०० [illegible]
[illegible] मिलाइ १ सिलाजीत [illegible] मिलेकाँ [illegible]
[illegible] पथरी [illegible]
[illegible] बासा [illegible]

वाइ॥मूत्रकृछ्र सबही हरै प्रातकाल उठि षाइ॥३॥सित
तीतजवाषार धरि जल सौ पीजै जानि मूत्रकृछ्र सब दो
षको नास होइ यो जानि॥४॥अथ मूत्राघात को उपाय॥
विष्णमूसेकी जु पुनितंदुल जल महि मेलि॥नाभि तलै
जब लेपिये मूत्र रोध कै रेलि॥५॥अथ काथ प्र.॥गो
षुरू जवासो हरर जानि॥पाषानभेद किरवारो जानि॥
सबको काटौ पीजै सहत पाइ॥तब मूत्ररोध छन माह जाइ
॥६॥फलासे घो गोषुरूबीज ककडी को पाइ॥तत्र और सो
पीसीये मूत्र रोग न रहाइ॥७॥अथ पथरी को उपाय॥
१॥ जो ग्रो॥वरुना सांठी गोषरू काथ करो सम भाग॥पावकु
गुड जवाषार सु निवात पथरी जाइ॥८॥अथ काथ॥वरु
नाहू रनी गोषरू सौठि अरंड मिलाइ॥अस्मभेद को निरलफ
लम्रिंगत चा सम भाइ॥९॥सोरठा॥काथु स्यापको ले इलौंन
हीग जवाषार धरि॥दोगे पथरी टेइ मूत्र कछु अरु उदर दु
ष २०॥अथ म्रगी रोग प्रतीकार पुष्करमूलादि काथ॥पुह
करमूल बिराइ तो ब्रुझी सोठि के चूरो॥दारुहरद सुरदारु
वच मौथा पीपरा मूर॥११॥अथ पाकू ठ जु सिर सछु ड को जे क्वा
थ सु आणि॥म्रगी रोग उनमाद कफ ताप विसूची हानि॥१२
॥रसंपहात॥वच सुरासा नी सहत संगट कदो इजवले इ
म्रगी रोग तब ही हरै दूध भात पथ दे इ॥१३॥अथ नासम्रगी
की॥मिरचै सैसे हडि मैं धरै दिन इकाई सप्त मान॥नेइ नासन
लीर सी होइ म्रगी की हानि॥१४॥ब्रह्मी रस बसु कूठ वच स
षाहुलीघालि॥गोघृत महि यह सिद्धि कार म्रगी उन्माद हि
याति॥१५॥नकुय चौदसि अष्टमी गौट कु चिता मसारि

तियेकोनरनरकोनृपायमृगीनासतेटारि १६ बच
गारुडौडाग्गाककेस्वेतणाजुपटतीनि नासुजुदीजे
मूतसोंअपस्मारहोइछीन १७ सोरठा कटाइवी
नमेदाल सहतसंगकरिकूटिये म्रगीजाइततकाल
नासलेरदिनसातलो १८ चोपई स्वजवाइनिजीर
सुंठीलेह हरेरैलोंगकुटाइदेह तम्नीरसोघुदीजु
दीजे वालकमृगीततछनछीजे १९ मृछोस्वासने
वफिरिजाइ मुषफसूकरेचेतनसाइ वारदाइयेत
छनदिनमे वालकमृगीनासहोइछिनमे २० मिरचे
सातपीसिकरिलावे करयेबीजतमरीभावे सप्तथ
बीजसमनासुकरावे रोगसोसवेनसावे २१ म
थकुष्टरोगप्रतीकार त्रफलावासानीवपटोल वि
रुगिलोइतुसमकरितोल चूरनकोजेतलेमधेरि
कुष्टरोगनहोउठेवहोरि २२ गथप्रती [illegible] नि
फलागिलोइमजीठकुटकीनिसाजेव [illegible] बच
दारुहरदविडंगवासादेवदारुसुणानि समपीसि
चूरनकेरेविधिसोपियेपानीसंग सकुष्टरोग [illegible]
भजेपलमेनसेकंडुरोग २३ दोहा लेमजीठ त्रिफल
कडरजनीनीवुगिलोइ देवदारुवचपीसिकेकाढ
कीजेसोइ २४ प्रातकालउठिपीजीयेवातरक्तनर
हाइ [illegible] मंडलपानकोदागकुष्टमिटि [illegible] २५
गथलेप चोपाई गुंजानीवुकुठवचचीता [illegible] सम
पीसहमेरमीता काजीसोजतले [illegible] नकरे स्वेतकु
ष्टकोनिहचेहरे २६ सोरठा गंगिछालिनृणानि

लेपुकरहुपुनिरगरिकैं। स्वेतकुष्टकीहांनिसिद्धजोगने
नाकसो। २८ अथयटदसगहात चौपई घेरआवरैस
मकीलेहु। प्रातकालहीकाथकरेह्यु। टकदोइवाखँ
पाइ। स्वेतदागमासमांहिजाइ। २९ अथहूमजिष्ठादे
काटो। मुनीटगिलोइनिसाज्ञुगवालो। दोइकटाईचर्व
किरवालो। सप्तनिंबूवेलपचांग कूटकरौदावाइविडंग
३१ पीपरवरऊमरफललावै। पटोलपत्रताकडूमिलावै
चीतादेवदारूसममूर्वा। त्रिफलाघेरसेतलेदूर्वा। ३२
सोरठा॥ छालिकुरेकी आनिआयमानअरुइंद्रजव। पा
ढभारंगीजानिविजैसारपंचांगलै। ३३ दोहा। दांतौनि
निसोतचिराइतौवरनागवासोआनि। पीयावासौभांग
रक्तचंदनजुप्रमान। ३४ बीजपलासजुबावचीइंद्रजौ
[illegible]लाइ। अरुसाजुपुनर्नवा गूगलदूधमिलाइ ३५
[illegible] लैकटहरकोदूधमिलावै। त्रिकुटाअर्कमूल
[illegible] पिपरामूलविदारीकंद। सुतावरिसरफोकाइ
[illegible] ३६ सोरठा॥ कंजापातमगाइवकाइनिअरु
[illegible] लै। मोथाकसौंपीपाइ सवऔषदिसमली
[illegible] ३६ काटोकरैसुजानचतुर्थांसकरिप्याइये। वि
[illegible] सिप्रमानकुष्टमाधितननारहै। ३७ चौपई। मे
[illegible] कुष्टगलदादु। विउदमंडलाअरुकछदादु वा
[illegible] देहुकौनाम। स्वेतारक्तपित्रकोग्राम। ३८ मंडल
[illegible] लादद्रुअसार। विचलाउ

॥ प्रसरदद्रुवरनौन

मंगलनाविकलसरीर तिलप्रसादितैनोड्डवापीर विद्वरार
क्रस्वेतजेकुष्ट एव्रसाध्यतीमोहेहदुष्ट ४०॥
मंजिष्टादि देवदारुआदि चोपई देवदारुनिसा
दारुआनि किरवारेजुचितावरिआदि लोदवि
डंगनिसोतुमिलाजे मलोटगाघुसहररसोगे
वचवावचोविसालावासा सेहंडरदनगुरक
धमासा आकरुनीवधतूरपान समुदलोनल
गंडिरसआन ४१ आठटेकओषदिसमलेइ ले
गंडिरसघृतिवारपिवेइ ४४ अथमिचादि मिर
चविधाइरोमोथाजानि मुंडीमनासिलगधिक
आनि देवदारुहरितालकसोदी सुरभीपातमा
नरसहोटी सरफोकाछिरवारी चितावरि उर
गासनवावचोसुतावरि दाडिमवीजसमगत
सुजान येसबओषदिएकसमान ४८ गहवि
सिएसुकाटोकरि टकआठगेहहदारिधरि चोपर
पानकोरसुजोपरे दिनसताईसमेकुष्टहरि
रि अथतदहलादिकाथ निसोतुजाइफलकुटि
कुलीजना वचलभागराछालिसुलन
निरिवकाइनिचीतापंचांग निसादेइगुजना
दविडंगकलिकदमसेमरिकेपान सुपतेसा
टजोषहुआन जलवाइनिकिरवारैल
दाकरिसेवतीरसुदेर गोहदरिकेरिपथ्याजुक
रि दिनइकईसमेकुष्टहिहरे गयुस्वेतकुष्ट
कोउपाउ नाइपमाडोसोफामिलावे नीववं

काइ निछालि मगावे। समगोधदिनलसेतीषाइ
स्वेतकुष्टदिननोमेजाइ। ५४। गंधकरेवदालहरि
ताल। बावचीमनसिलसमकरिघालि। रसपान
कोलहसोरमेले। स्वेतकुष्टदिननोमेठेलो। ५२। के
वरीछालिबावचीलावे। नीबफूलफलगमेमि
गावे। लेगडिरससोमर्दनकरे। स्वेतकुष्टदिननौ
मेहरे। ५३। पलासपापरा त्रफलालाइ। लेपेस्वे
तकुष्टनरहाइ। रसतिलथवामिलेनोसादर। लेप
स्वेतकुष्टहोइकादर। ५४। गेथवातेलगनाथिको
षाइ। तमतेकुष्टवेगिमिटिजाइ। पलासबीजकेली
केपान। मनसिलदूवमूलपुनिआनि। कटुकतेल
नामेमैघिसे। लेपनकरतकुष्टसवनसे। ५५। केल
पलासभस्मदोइलेइ। मनसिलरभीकूठपुनिदेइ
बावबीजस्नबीजमगावे। रसजुभागेराकुष्टन
सावे। ५६। स्लोक। तालकेशोणमात्रेचचतुःशा
णतुवाकुचौ। गोमूत्रपिष्टतच्चूर्णलेपनंचित्रनाश
न ५७ सुवर्णपुष्पकाशीशंबिडंगानिमनःशिला
हरिद्राद्वितीयंवापितैलमेजलमेपचेत् ५८ मू
मूत्रनाशयत्यस्याचित्रचित्राणिनाशनं वचोदीरर
द्रवं मोहिषीविरमवंभाव
पचेतैलविशेषतुगोमू
तैलावशेषपक्कावततैलप्रस्थ
यै गंधोपशिलातालविडंगात्रितिविषा

६ छ्वाचोकज्वाल्हारैसैधवंचायसज्जिका देवदारु
चकर्षंशंचूर्णतैलविमिश्रयेत ६२ वज्रीतैलमिति
ख्यातेमभ्यंगासर्वंकुष्ठनुत ६२ गंथकंडकोचूर्ण
दोहा हलदवावचीनीवदलकोरगांवलापाइ थं
करोइगामूत्रसोपीवकेडजाइ ६३ लेपपामाको
दोहा मिरचसिंदूररसमानकरिमेहिघोष्टतसजान
मथिकेलेपनुकोजियेनासैपामारोग ६४ चौपइ च
कविडंगकूटपरवान गंधकसिंगरफलेइसमान
सिंदूरसुवाविराइकेसार नीवधतूररसदेयवार ते
वमईं भरिगालीवाधै गालोएकवांजुकोसाधै
छाजनिराइहिलेपजुकरे योचोपामानिहचेहरे ६
गंथयोचोकोउपाउ पातशाककेम [illegible] रिमाफनसं
गमिलाइ दधुयोचोकोनवहरैजवन लेपुकराइ [illegible]
लेपुपामाको सोरठा गंधकहलदसुलेइ नी[illegible]
वावची साजोचोपसुदेइ सवलेद ग्यपव [illegible] ६९
कटुकतेलमहिपाइ मईनकोजेतीनदिन म [illegible]
रलाइ पामानसैजनकोविधि ६९ गंथा [illegible]
प चौपइ कालीहर्याहलदविडंग पु [illegible]
इकसंग कालिंगरनीवके सोठिनिगंध [illegible]
लोनककोटकोजरलेइ ७० कालिंगरनीवके प [illegible]
लीजीराकरिइहभाति गेरुमिरचजयंती [illegible]
कंधीकोरसनाराइ ७१ लेपनगउमूत्रसोंकरइ लहरि
निनाईकीयहहरई ७२ सर्वस्थूलविसपाउ फलाइ क
हैननसंघयहसमझाइ ७३ गंथपामाकोउपाउ दोहा
हवहलदसममोसिकेलेपुहुजलसंगलोग पामादादु

जरूपरसखदुखनासहिएतेरोग ७३ अथलूतोकेले
प चौपई चंदनकूठसभोलूपाइ कमलवीजसरसा
समभाइ लेपनकोजेजलमहिघोरि लूतविषाह
नकमेतोरि ७४ अथछीपिरोगप्रतीकार दोहा क
दलीदलकीभस्मकरितामहिहलदमिलाइ लेप
नुकीजेनीरसोछीपीरोगनसाइ ७५ तथालेप पू
दूरीकंद चेरनहरतालकपूरआनि सुहागामूल
वीजऋआनि जंभीरीरससोलेपनुकराइ सबुछीपि
रोगछिनमाहिजाइ ७६ तथालेप सोरठा गंधक
चंदनआनि नीबूरससोलेपिये दिवसस़ातपरवा
नै छीपिरोगतननारहै ७७ अथनहरुवाप्रतीकार
निर्गुंडधकारसीपिकोदधिसोपीवेसोइ निगुंडी
वधिनैनाकेहैनासननहरुवाहोइ ७८ शस्त्रघातको
[illegible] काकजंघाकोमूलकुटिनरशस्त्रघावमहिदेइ
पीरोरकतप्रवाहहरितवहोघावमिलेइ ७९ इतिश्री
पंडितवैद्यकेसवदासपुत्रनयनसुखविरचितेवैद्यम
नोत्सवेकुष्टमेहमूत्रकृच्छमूत्ररोधनअस्मरीअपस्मार
कुष्टकंडूपामादादुविचर्चिकारोगलूतानहारुशस्त्रघात
प्रतीकारनोमपंचमोसमुद्देशा॥५॥अथवाइरोगप्रतीकारलक्ष
नतथ्याधिचिकित्सा॥पद्धडीछंदः॥असगंधसोंठितिलसे
समान समतूलखांडमेलहुसुआनि यहऔषधिलीजैदि
नमिलाइ सबवातव्याधिछिनमाहिजाइ ८० सूंठवारसो
ठोल भंगसभालूभांगरामुंडीनाहिमिलाइ [illegible]
करकवातरोगनरहाइ ८१ गुटिकावारकोमेलुसूंठीपीपरि
चित्रकअसगंधआनि

लोजीपीपरामूल अकरकटामेलो समतूल ॥ ८२ ॥ दूनैगुड
गोलीकरै टंकएकपरमानसुधरै प्रातकालउठिगोली
खाइ वाइचौरासीतननरहाइ ८३ अथअपूरभैरवरस ॥
टंकचारिसोठिकोलेइ मिरचैटंकचारिपुनिदेइ तीनिसु
हागाविषइकधरउ आदुकारससोंगोलीकरउ ८४ गुं
जासमगोलीपरवान सीतहरैनिश्चैकरिजान वायरोगछुन
माहनसाइ छमारिसुमिरतवाइपलाइ ८५ अथवाइपीडा
कौकाथ दोहा सुंठीएरंडरासनोदेवदारुसुगिलोइ क्वा
टापीलेप्रातउठिपीडावायनहोइ ८६ अथलघुविसगर्भ
तेल चौपई ॥ मीठातेलसेरइकआनि तुल्यधतूरेकोरस
आनि गुंजाविषधतूराबीज पांचपांचटंकवाछलीज ८७
विधिसुततेलकीजीयेआनि लघुविसगर्भतेलयहजानि
मर्द्दनकीजेदेहिलाइ वाइचौरासीपलुनरहाइ ८८ अथ
वाइकौदोहा खीरिकरउगोदूधमें आलो लहसन
कूटि वातसीतहडफूटनिअकर दरदोइसवछूटि ८९
अथत्र्योदसांगगूगल मालकांगुनीरासनाअ
रिगिलोइ सिवाभेंवंडसोफहासाटोसतावरिसो
अजवायनिसमपीसिकैंसमसारिगूगलडारि अर्धभा
गोघीवसोंगोलीकरउवनाइ ९० नसोटकमधु
टंकदोइजवथाइ कटिग्रहनीअरुजो निदुष्ककुष्ठ
जाइ ९१ नाडीजानोवायकोबांहप्रहिठउसोइ
धीवंजसुंनलेवायनहोइ ९२ अथपित्तकोपप्रतीका
पईपद्धडी इलाइचीकरउसीरदानि आवरेचंदनगुं
आनि येपीसिइपीवैजलमिलाइ सोपित्तकोपछुनै

जाइ॥९४॥ अथदाघविथाविथाकोलेप॥ वरीपत्रवम्ना
रेतेदलछूडपुनिसोइ॥ जलसोलेपहुचैनजुगदाघ
वियानहिहोइ॥९५॥ अथछोटकोचूरनेलेहिछुहारक
मलफलगसहइलाइचीधातो॥ सीतनीरसोपीजीय
छुदिउवाकीटालि॥९६॥ दाघविथाकोलेप॥ कांसपा
लमहिनीरसोसोजुवारघृतथोइ॥ लेपकरहुपुनिचैर
नजुगदाघवियानहिहोइ॥९७॥ अथकफकापप्रतीका
र॥ दोहा॥ केसरिमिस्रीपीपरेमारंगीपुनिजानि॥ मा
र्यौतामालौगसमभ्यसवपीसहुग्यानि॥९८॥ पानन
संगजवदीजैयपरमितटंकजुगाथ॥ कफषांसीअ
रुस्वासजुरहोइषईकीवाध॥९९॥ कफषांसीकोलो
गभारंगीपीपरेसोठिकटाईपाइ॥ पिसिपीउजलत
प्तसोकफषासीदुषजाइ॥१००॥ अथकंपनवाइकोगु
टिका॥ चोपई॥ असगधसोठिघोउगुडलेहु॥ मिष्ट ते
लमगरारसदेउ॥ सेरसरथैलेहसुजान॥ मेदास
रदोइपरवान॥ पीसिछानिकेलाडूकीजै॥ कंपनवा
इतेहूकृनछीजै॥ दिनइकईसषातउठिधाइ॥ कंपन
बाइवेगदेजाइ॥ अथगंडमालाप्रतीकार॥ दोहा॥
सोठिभारंगीपीसिकेतंदुलजलमहिमेलि॥ करस
याकोलेपुकरिकठिनहजोराठेलि॥१॥ सोरठा॥ पल
रसतुचकचनार॥ त्रिफलाकटुफल लीजीयै॥ त्रय
पलत्रकुटाडारि॥ वरुनापल्लवइकतोलधरि॥४
कर्षकषपरवान॥ तजपत्रजरुइलाइची॥ मूगल
सवसमजानि॥ गुटिकाकीजैटकदोइ॥ पहरक्काथ
सोदेइ॥ अथवाषप्रधातमूजल॥ मुंडीकाथकरेइ

प्रातसमेमैनरजानिके ६ गेंद मालहरनजंकुए
अपचीगोलाग्रंथिगद मेहमगंदरदुष्ट अबुंदना
सैसतसुनि ७ अथमुखरोगप्रतीकार तवापोरग
रलाइचीमोथाक्वाथरलाइ मुखमहमैलहुपोसि
कैरिवदनपाकनरहाइ ८ सोरठा तेलकररकोअ
निकुलीकोजेदिनखते फूलमसउजानिदिनास
तमेनासहोइ ९ ऊमरकीजरलाइ तंदुलजल
सोपीसोयें मुखलोहनुथमाइ सिहजोगुनेनाक
यो १० अथहोठलेप सोरठा मेनुलाघसमलाइ
केन्हुयेतेलपकाइये होठनिलेपकराइ रुधिरश्रा
वक्षनमेहरे ११ मुखपाककौ उपलादारुगिलो
इसतुपातचमेलीपाइ दारुहरदहु अरुपाठपुनि
येलीनिहुसमभाइ १२ काटकोजेपीसिकैद
रलामधुसारि वदनपाकअरुरुधकुगमननासैहै
तुविकार १३ अथदंतरुधिरश्रावकौ वा [illegible]
क्वाथसमकुठकुंडोसमजानि लोद्रमजीठमिला
इकेपीसहुसमकरिजानि १४ दंतकीटको सोरवा
रसम्ञादकोजानि जोरबिजोरेकोलहे मु [illegible]
समजानि दसनकीटफिरिनारहे १५ वेगोघदि
सनहुमलहुरक्तगमनसुषजाइ पीडाकीटपनव
लहुषनिमिषवीचजुपराइ दोहा रसवारेको
हतसुनिमथहुजुद्दुनौसाइ प्रातहिवाटेसाल
नेदानहुरक्तनहोइ १६ गडूकपानमगाइ सघुमें
रदिनदातकौ दंतकीटजुपलाइ चवेनकेरअत

मोदसो॥ १७॥ श्लोक॥ तंदुलं भानुदग्धेन दिनम
कं विमर्दयेत तद्गर्भेरसहोमोऊापिष्टकोतार
संयुत॥ जंभीरीफलमध्यस्थदोलापाने अहेप
चेत तैलद्रोद्युतभांडे समध्ये बावधारयेत १९
वऊोदत्ताद्रदीकुर्या द्रुषनेमविशेषत॥ तिलानां
कर्षमेकंतु द्वाविंशतिपलेजले २० गुडैर्शेष्ह
रक्ताथगेडुषंतेनकारयेत॥ दंतचालंदंतहर्षमु
खरोगेचसेस्यते २१ मुषकीलकोदोहा॥ सरसा
ओलेदुबच ओषदिलैसमसाइ॥ जलसोवदन
जुलेपियेकीलारोगनहोइ २२ सोरठा छाली
शतिलस्याम जोरासरसोपीनपुनि प्रयसोलै
पहकाम मुषकोछोईनाहै २३ चोपई हलद
कुठलुन्लोदमिलाइ ये ओषदिपीसोसमभा
ये नीबूरससोलेपहुलाइ मुषकीछोईनहीरहा
इ २४ सोरठा जरहिंगोटकीलाइ पीसेवासनी
रसो लेपकरेमुषओइ छोईरोगविनासहो २५
अथभासारोगप्रतीकार दोहा द्रवकसमहरानकी
दाडिमफूलरलाइ सीतलनीरसोनासुलेरक्तगमन
सोषाइ २६ अथपीनसषेहरसीतसूलको॥ दोहा सो
ठिमिरचपीपरिमिलेगुडसोदीजेआनि पीनसषेलरसी
सदुषनासइलोकाजानि २७ चमेलीअरुदाडिमापो
दोपदुहकालाइ रसकाढेपुनिनासदेरनासाहरिर
थमाइ २८ चौपई दाडिमफूलअरुएलाभांती लौं
लवंगवलासमजोती पी

नासारुधिरश्रमेपुनितासु २७ नीलुधमासगो
रकपूर लोचनबालाकोलकचूर पीसजलसोना
सुतुदेइ नाकरोहरपलमाफहेइ ३० सुघछली
लादसमान वचपलागरुपीपरिपान गोधाठ
लोइसबदजानि दुनी मिश्रीइनतेमानि ३१ वेत
मोसठुमपीसिके देइनाकेसेनासु रुधिरश्रावछु
महेरोगाचरईतासु ३२ मोरठा पीयाबासाला
इ लोगककोलीपीसिके मिश्रीइ गुनमिलाइ नासु
देइगश्रकुथमे ३३ नीवुसदाफलजानि मातुलंग
रुकुईथुफल चायोछिलाकागानि बेलगिरीश्र
जमादले ३४ चूकसूवरसलाइ मिश्रीद नीलोज
ये नाकरुधिरमिटिजाइ रोगिाविदिकोनासुलइ
चोपइ लेचोरइनीनीयासाए सनारफलगाइ सम
भाग वासापुलासुतावरिकपूर मोतीपवा न
लकचूर ३६ सोरठा मलवाने फल मि [illegible]
लिये नासुलेइ समतूल रुधिरश्रावकोसो [illegible]
पीसपतीकार मिरकोरवेदालफलपर [illegible]
देदाइ नासुलेइनरनीरसोपीनसरोगन [illegible]
कथनरोगप्रतीकार रसवतलादहरीत [illegible] ग
हलदमिलाइ जलसो ऊपरलेपिपेनथनपर
दिजाइ ३९ गदथरगार मेधागरुपाइतेल [illegible] ला
कासथारमोहरगरवरार नारोपय [illegible] रगरला
नवपीरनासनतवहोइ ४० गदथरोग [illegible] कनक
कागजलेपुनिमहदोरससवेथ लोचनगोजनकी
जीयेहारमलोमेधा ४१ सावनेकोवालकाति

लएकंअंजनदेइ निसाअंधबहु दिवसकोनिश्चेना
सकरेइ ४२ सोरठा कडुकतोरईवीज सहतमिले
जोआंजोये दिनासातपुनिकीजे निसाअंधपलमेट
२ ४३ चोपई कानमलकोरसहतमुजाइ निसाअंध
छिनमाफलाइ मोथाविफलाम्रतसोजीजे निसाअं
धहिनैनोमभोजे ४४ अथरगरो रसवतसुदेसुपि
टिकिरोनारीदुग्धमिलाइ कासथारमराकुरहुन
यनपीरमिटिलौइ ४५ अथसवलवाइकौ दोहा मि
स्वरुगरुलौनगुडपवासोसमजानि जलसोलेप
स्वारिकेयोपुखालहिजानि ४६ ऊटदांतअरु
चाधरूसकाहोइनहिमिलाइ ववचवपटकसुमेलि
यरुकासपात्रमहिलाइ ४७ कुलीपयसोरगरीये
इगअंजनसुकरेइ सवलवाइकोनासहोइदूधभा
तपथदेइ ४७ चोपई तावाजलमारिकोलेउ नी
लाथोथारसकरेउ समदफेनफिटकरीआनि
सीपचूनासमकरिआनि ४८ गो●घ्रतसंगकासे
मेधरहु करिरगरातुगअंजनकरहु सबलवाइ
वहुदिनकोजाइ कहेग्रथमेयहसमझाइ ४९ अ
थपटली जीराकाहोफटकरीत्रफलासोहीपाइ रसव
तहंलौदरदसमलोढुअफीममिलाइ येओषदिसम
आनिकैकरहुपोटलीपीसि सर्वपीरकोनासहोइनैननि
निर्मलदीस ५० अंजनतिमरफूलीवाइको सुरमासों
धासंषपुतिमनसिलत्रकुटाआनि कतकफलअरुस
फेरासागरफेनसमान ५० अंजनछहपेदूधसोंतिमर

गनूरहाइ फूलाखोगावाइ पुनिनयनरोगमिटिजाइ ५३ औ
कणरोगप्रतीकार दोहा॥ आकल्हसना तिलपत्ररसको
वीचसोप्याइ बहिरापीडापीवुदुखज्योरोगनसाइ ५४
देवदारवचसोंठपुनि सेंधासोंफरलाइ अजामूत्रसोंत
प्त करिकानविथासबमिटाइ ५५ सेंधाछ्केलीमूलसोंरंचक
तप्तकराइ मूलपीवुदुखकर्णकोडारतहीसबजाइ ५६
चौपई॥ देवदारसरसोंवचलेइ मेथीकूठहींगपुनिदै
गोवररसतिलतेलपकावे सेलैकानपीरमिटिजावै ५७
नाप्युनिरससेंदेकानसूलपीरवहनाहै सेहुडदूधविजा
निसोइपुनिनयनाकेरे ५८ मतमूलीरसलाइ तहांस
हितसमभाइये कानवीचसोनाइ सूलदरदनासैतुरत
५९ रसइन्द्रायनिभांगरोग। एघृतहिपकाइ चतुर्थांसमु
वरसहकैकर्णवधिरताजाइ ६० चौपई मूराअरुसिरस
आवे इनतीनोकोरसनिकरावे भरीयेकर्णपीर
३ सिद्धजोगयहदयोवताइ ६१ सोरठा॥ पीसि
आनिवालमूत्रसोंमर्दिये तातिमिलीयेकानक
नमेंरहै ६२ दोहा॥ असगंधसताविरपीसिकैदु
रसदुमिलाइ छीरीदुग्धपकाइयेकर्णपीरमिटजा
सोरठा लोटासाजीआनिवालकमूत्रसोंमर्दिये का
दैसुनानकर्णरोगकोनासहोइ ६५ सपतालूकोरस
वीचसोपाइये कीराजाइ सवगओरवधिरतानास
चौपई सबुदफैनटंकेकलावे गाएघीमेतातिकैलावै
घीउकानमहिमेलै कीटवधिरतापलमेंहैले दी

सरोगप्रतीकार वातसिरोवर्त्तिकोलेप देवदारुकूठकोर फर
एंडतेलमिलाइ कानीसौंलेपनकरैवातसिरोवर्त्तजाइ ६८ अ
थकफसिरोवर्त्तिकौं पदडी एरंडरासनाकूटजानि छडवचवि
धारोमेथाजानि सोतमनीरसौंसीसलाइ छुनमाहसबकफ
सिरवर्त्तिजाइ ६९ सोरठा चंदनगोरिवाउसेर मोंथामिरचड
लाइची कमलवीनहूबेर पित्तसिरोवर्त्तिनासहोइ ७० अथक
फपित्तसिरोवर्त्तिकौ दोहा कूटमिरचअरुकाइफरएरंडकीजर
लाइ तसनीरसौंलेपीयेतौसिरोवर्त्तिनसाइ पीपरिमिरचह
रीतकीयेतीन्यौसमभाइ काजीसेती लेपीयेपीडासिरकीजाइ
७२ चौपई मनसिलपीपरिएलानानि सोनमृगंककोलसमा
न सीतलजलसौंलेपनकरै मस्तकपीरछनकमेंहरै ७३
सौंगातगरअवरछालि वेलपातएलासमघालि मूगचूरिसि
रलेपनकरै मस्तगसूलपीरसवरहै ७४ स्लोक कुंकुमंमधुयेष्टि
च सितामृतशुनोत्तर समाहेचकतेनस्यंदाहंहंतिसिरोरुहं
सिगृपत्ररसेमर्धमिरचंचमूर्वासतं मर्धतैलंचवातारिहंतसर्व
सिरोव्यथा ७७ श्वेतनंचूतनगोमूत्रेनिर्गुड्याकाथतेनवा स
न्निपातोद्भवंहंतिपुराणघृतपानके ७८ सोरठा ।।वीजपवार
कुष्पानिकाजीसेतीमर्दीये मस्तकलेपकुजानिहरैरोगसि
रवर्त्तिकौ ७९ मूलपटोलकुआनि जलसौंपीसिकुरावीये
मस्तकलेपनठानि शिरोवर्त्तिकानाशहोइ ८० आधासी
सीकोलेप कूठपीपरासारवावचसुहलेदोजानि काजीसे
तीलेपकरिआधासीसीहानि ८१ अथनासु छतसौं
सौंधोपीसिकरिनासलेइपरभात सिद्धजोगनेन

आधासीसीजात मिस्वरदाइपीसिकेकागरपूँगी
मोल फूकियानके रंध्रमेआधासीसी दूरि ८३ सी
रठा आजेपालबिसुआनि नीलाथोथानिविसी लेहि
हिर वीजा घसीयवालकमूतसो ८४ दोहा पाछि
पीरकनपटीकरेनकाम्पिनिसंग सिदुजोगनेनाक
योपीडानासैजाय ८५ सोरठा कबूरकीरागआनि
मिस्वसहितलेपीसिके आधासीसीजाहिनि करै
कनपटीलेपजब ८६ नीलिसनीचरकेदिनानोति भा
नुदिनजाइ काथवनाइपिवाइयेआधासीसीजाइ ८७
सोरठा मूलभांगराजाइकाजीसोंजवपीसिये आधासी
सीजाइजोनरयाकोनासलेर ८८ अथदूलप्रतीकार
वीजधनतरिआनिनासुलेइनरप्रानउरि होइदूलकी
निसिद्धजोगनेनाकह्यो अथकेसवर्द्धनकोदोहा फूल
तिलनिकेगोषरघृतमधुमाहिमिलाइ केसनि
नकरैचिकुरवढेअधिकाइ ९० अथकेसवर्द्धनको
चूरनकरुवातेलु समकरिपीसिघांभभूमेलि जो
सनिमर्द्दनकरे दिननोमें चिकुरनिकोहरे ९१ संवभ
हरतालकेरासपुटसातदे सकेरसपुनिघालिकेस
तनहोइपलकमें ९२ टाकभस्महरतालरसकेजासों
मोईये शिरमेंराखेघालिकेसपतनहोइ निमयही ९
अथकेशपातनेकी हस्तीदंतकीभस्मकरिपीसहुरसवग
सोइ छेलीपयसोंलेपीयेगएकेसपुनिहोइ ९४ वडी
कटाईविरहटाचतुयोलीजउनार त्रफलारससोमोईये
वालकुसेतेजार ९५ आमकीगुठिलीआवरेपीसेसम

करिजोग मईनमैथाकोकरैनाइखुसीयारोग ९६ सोर
ठा वेलगूदगुरुलाइजलसोऔटिपकाईये मस्तिकमधि
रलाइखुसीयावाइकानासहोइ ९७ अथकलपदोहा
लोहचूनरसभांगरानीलिपत्रफलतीनि अजासूतसों
लेपीयेकलपरहैवहुदीन ९८ चोपई मनसिलगंधि
कवाइविरंग कुरोधेनुमूत्रलैसंग मिष्टतेलमधिसिरमैं
लावे सेतकेसज्यांमिटिजावे ९९ इतिश्रीपंडितवेद्य
केसवदासपुत्रनयनसुषविरचितेवेद्यमनोत्सवेवातपि
त्तकफगुल्मसुषनासिकानेत्रकर्णशिरोवर्ति शिररोगअ
धासीसीकेशवर्द्धनकेसनासहोनाकेसउतपत्तिप्रतीका
रकेसकलपनामषष्टमोशमुद्देस ६ अथऔषदिपेरकी
चौपई तवाषीरगजकेसरिलेइ नेत्रवालाचंदनदेइ तंदु
लजलसोलेइमिलाइ प्रदररोगनारीकोजाइ १ गजके
सरितंदुलसितादीजेनीरमिलाइ प्रदररोगकानासहो
इसालिमसूरनुषाइ २ चौपई थिरहटोतंदुलजलसों
लेइ पीवतनारीप्रदररहेइ पुनिकेलारसपुष्पकोप्यावे
नारिप्रदरछनमाहमिटावे ३ अथपुष्पहोनेको कुंलर
डीअरुनकुटालेइ तिलकुटाइचूरनकरिलेइ गयेपु
ष्पनारीकोजोइ भक्षनकरतहालहीहोइ ४ सोरठा
रेतीशुडजवाषारवीजतमरीमैनफल पीपरियामहि
डारिपीसडुसैहडिदूधसों ५ होइपुष्पवतिनारिवाते
करिभगमैधरै कह्योसुपरउपकार सिद्धजोगयहजानिए
६ अथजोगिसुडहोनेकोदोहा।

रसागरफेंनमिलाइ वाइविरंगइलाइचीगजकेसरिसम
भाइ ७ जलसोंगोलीकीजोथैटंकएकुपवान भगमेंराखै
जतनसोंरहै औषयदिनसाति वंध्यागभैजुहोइसुखसोनिदोष
सवआइ सालिमूगगोषीरघृतयहपुनिपथ्यकराइ ८
अथगर्भहोनेको मिरचसोंठिअरुपीपरिलेइ गजकेसरी
जुकराईदेइ गोघृतसोंपीवेजोवाल ताकोगर्भहोइतत
काल १० सोरठा गजकेसरिअसगंध सितारोचनासालि
पुनि पयसोंपीवेवंध्य होइगरभततकालही ११ अथकष्टे
स्त्रीको सोरठा पयसेंहडिकाआनि लेपकरैजुनषनाभिही
होइकष्टकोहांनि छिनमेंहोइप्रसूतिपुनि १२ जरमुंडीकोले
इकरिबांधेकटिवध्य तवहीपीरहरैहोइप्रसूतितनकाल
ही १३ अथगर्भपतनेको धाइलेजारूकमलफलजुहले
ठीसमभाइ तंदुलजलसोंपीजोयेगर्भपातटिजाइ १४ अ
थभगसंकोचन पीसिकसेलाफटकरीमाईलोकंचुर वे
जरीरुकनेर छिलुमानूफलमरिचूर १५ मदजंग
केंकरैपुरुषसंजोग जोनिअधिकसकोचहोइरहेन
रोग १६ माईधाइजुफटकरीमान्नंलोदजुमेलि वेरजरी
जोपाइकेंसीकनमावोरेलि १७ त्रफलालोदजुधातुकी
पुनिजुचामिलाइ भगमाहेलेपैसहतसोंरुकुमारी
१८ मठागजकोआनिधोवेजोनिप्रातउठि यहसंकोच
नजानिसिद्धजोगनयनाकह्यौ १९ अथगोली
कपूरसमगोलीकारेमधुनाइ जोनिवीचसोराधी
सीकनभाइ २० अथजोनिदुरगंधिहरन दोहा

ग्रातिदुरगंधिहरैतु
मानैपीय २१ ग्रथकुचकठिनको ग्रसगंध
सोर लेपनकीनेंनीरसैं
२२ सोरठा भलतंदुलकोंग्रानि
कठिनहोंइकुचजानि सिद्धजोगनथ
२३ ग्रथथनहेलेको निसांकुमारीलमकरिखु
थनहेलाकानासहोइसिद्धजोगयहदेइ
२४ ग्रथबालकरोगप्रतीकार कांकरासिंगीकनापनी
स सिहहिचटावैमधुसोंपीसि तापस्वासग्ररुछर्दिन
सार श्लेषमाकासपीरसबजाइ २५ ग्रथबालकग्रती
सारको सोरठा बालालोदुभिलाइवेलुधातुकीगजक
ना मधुसोंकायचटाइग्रतीसारकानासहोर २६ ग्र
थ षचिकित्सा लिंगवृद्धिकों विजयाग्राकनेरिज
…सापाइ गोलीकोजैपीसिकैंलीजैछारसुकार २७
…तसोंपीसिकैकेरेलेपइंद्राय दीरघकठिनस्थू
…थतभाजैत्रीय २८ ववन्तुकूटगजपीपरीग्रसगं
…लादोइ महिषीघृतसोंलेपायेलिंगमुसलसम
…र २९ ग्रसगंधपारदगजकनारजपीसितामिलाइ
…पनकीजैलिंगपरवृद्धिस्थूलकराइ ३० ग्रथनपुंस
…को गोकंटकवासनेमेंग्रेदै तेलपानालज्जंनसोंदूदै
…भेचारिपानसमगवाइ नरनिपुंसकताभिटिजाइ
…मासेदकोदुधसमभलगारकोगर
…लैपीयथंभनहोइग्रधिकाइ

गोटा अफीम जाइफल वीज धतूरा सोइ घृत सों दीले
पीये सिथिल लिंग दृढ होइ ३३ थंभन दोहा आकी आ
नि अफीम कौ केर वर्ति का जोग लिंग छिद्र महि राषी येव
सुत केरे नर भोग ३४ अथ मदन प्रकास चूर्ण तालम
षाने मूसली सोंठि गोषरू पाइ कौंछ बीज असगंध पुनि
सेमरि फूल मिलाइ ३५ तालमुषाना गोचरू लै लवं
सोरे जान षांड दूध सों पीजीये बढुजीयर मे सुजान ३६
अथ काम विलास गुटिका कुंकुम सिंगरफ जाइफल
तालमषाने पाइ कौं छबीज तज मस्तिगी अकरकरा सु
मिलाइ लुंव रू लोंग तमाल पत्र अजवाइन षुरासान ती
नि भाग येली जीये एक नाग पर वान ३८ रसविजौरे गुटि
का करो पर मित्र टंक सु एक सयन समै भक्ष करे लल
ना रमै अनेक ४० चौपई सेंम्ही सेमरि की जर लेइ स्याम
मूसरी ताम हि देइ दूध षांड सो पीये रलाइ धातु पुष्टि होइ
उधार ४१ अथ स्थंभन धतूरा जु प्रसंग धम गावे दोनौ
पान कूटि पिसवावे मन एकर सठु इक ठौ करे गोपय
चत लोंधरे ४२ इक ठाकौर के औटि जमावे धीउ कोठि फल
कनक मगावे वीज तिहाई न्यारे करे सोले घीउ फल निमै
४३ तीनि दिना लौं राषे नार फूल निसती मर्द ये नार ३
ट्री लेप करै नर कोइ निपुंसक जाइ लिंग दृढ होइ ४४ अ
थ चूर्ण कौंच बीज पय मे औटावे पोस्त अफीम भांग राता
वे भिजे भिजे पुट सात सुदेर तब औषद देइ सब रहि लेइ अ
करकरा लोंग मोद कुलकुल बीज जाइफल लाद अ
करस सींगो लौ करे संध्या बार भोग नर करे ४६ अगदु

चंदनरजनी मोथा कचूर लोद अगर पदमाष फ
छड मरुआ गजकेसरि पाइ गांड रजर आवे मिलाइ ४७
देहीमर्दन कीजे जास सब दुरगंध छन मांहि नास ४८ [illegible]
रोग सब नासे जानि चरक ग्रंथ तें कह्यो वषानि ४९ अथ न
गलगंधि को मोथा बेल हरीतकी बीन आमि [illegible] पाइ लेप न
रेनर नीर सों वगलगंधि मिटि जाइ ५० अथ मुखि का सूप दुर
गंधि को बेलथु नेला इलाइची जावत्री तन [illegible] गजकेसर [illegible]
गाइ फल ये औषदि सम देउ ५० गोली करि मधी [illegible] मांमय
नस में मुष धारि आनन को दुरगंधि ना नाम [illegible] नत [illegible]
अथ लेप गजकेसरि नीव की [illegible] पाइ [illegible]
लाइ [illegible] कीजे गात दुरगंधि ताछन [illegible]
५२ [illegible]
[illegible]

होइ ६० आदिअंतपूरनभयोजोजकुचतुरविचारिवैद्य
ग्रंथवहुदेषिकैंभाषाकोयोउवार ६१ चोपई सारगधरग्र
रुकालग्यान हितोपदेसरसमंजरीजान वृंदनागराजाग्र
धपती मनोरमाअरुलीलावती औरजोगसतकोतषि
जोग इतनेमथिकेकोयोप्रयोग ६५ इतिश्रीपंडितवे
द्यकेसवदासपुत्रनयनसुषविरचितेवैद्यमनोत्सवेबीरो
गवालकचिकित्सापुरषप्रयोगप्रतीकारनामसप्तमोसमु
देस ७ इतिश्रीवैद्यमनोत्सवग्रंथसंपूर्ण मितीमाघमा
सेशुक्लेपक्षेपंचमी ५ चंद्रवासरे संवत् १८६१ शुभंभ
स्तुश्रीरस्तु श्रीरामचंद्रजानकीनाथसदाप्रसन्नरहे
पोथीलिषीनगरजोरमे श्री श्री श्री

सिद्धपतिसर्वकार्याणि नाम्नो
॥ २॥ पुष्येपुनर्नवामूलंकरेसप्ताभिमंत्रितं बद्धा
र्वत्रपूज्यस्यान्मंत्रमंत्रैवकथ्यते ऐं हं ह्रीं भयभगवति
स्वाहा॥ मंत्रमेतत्पूर्वमयुतंजपेत्ततःसिद्ध देवदाली
सिद्धार्थगुटिकाकारयेद्बुध मुखेनिक्षिप्यसर्वेषां प्रिया
भवतिनान्यथा भृंगमूलंमुखेक्षित्वा सर्वत्रपूजितोभ
वेत् रोहिण्योवस्त्रदार्कसंगृह्यधारयेत्करे वश्यंकरो
तिसकलंविश्वामित्रेणभाषितं पुत्रजीवकपत्रंचतिल
करोचनायुतं प्रियोभवतिसर्वेषांनरःकृत्वा ललाट
के

रसगंधकपन्नगनागरलंविषचूर्णमृडयमतपात्रयुतं
मुद्रिक छिन्नि तितनि हितं सनलाइकविंशदिनेन हि
नत्र्यरससयुतमध्ययुतं घदं कनदर्शननश्यति
वंत्वरं स्सनामतनुरुह बंधकयंसचउत्कथनं
तयं १ टीका-पारो गंधक विष अहीम पीपरि
च हीग मृतग मापकाेडोपरमारि
पीतसुधासवलं औरओषदं पीतामा
सबद्धरोद्रु पारसैवनाचैत
यासनमारिकाल्ड मेपानीमरमा
वैदिन: २१ पाछे

थैनैलगैतबतलडारिगालीनाथैमाथनमान
श्रैगोलीधीउमैतथानौ नीमै सुरीसैाम्हनमै
रटौ नरनासैततकाले यहमतनै ॥ १०॥
६।

अथजंत्रपंद्रहकोचारिप्रकारकेसुभअसुभ

८	१	६
३	५	७
४	९	२

६	७	२
१	५	९
८	३	४

२	७	६
९	५	१
४	३	८

श्रीगणेशायनमः अथमंत्र। ॐश्रींक्लीं [illegible]
आककेपातपरजंत्रपंद्रहरोजलिखै [illegible]
जैसेवृश्चिकैवारिदहइरोज१०० [illegible]
अनारकीकलमसोलिखि [illegible]
[illegible]वार१०००तौपन्नदरसंक [illegible]
पानमेंलिखिदरत्याउमेंडारे उचाटकरै [illegible]
लपत्तिअसुभकालिखोकरप्रपाटें [illegible]
मेषकोआ [illegible]
कर्कको [illegible]
मकरको [illegible]
रासिप्र [illegible]
दनभ्रा [illegible]
कोवुरे [illegible]
आइप [illegible]
लेरतौन [illegible]
१००० जंत्र [illegible]

अथ विषसोधनकी रीति है संवल संखी और गोदंती विससी

अथ संवल विसको सोधन

प्रथम संवल असलि जो लेणो जो लेकै उ लीमां धरि वाको भस्म करिके आग्न मे पकावे पूर्ण आं च दीस वरां मे पकावे औरि तब मे उलीधीकै ... [illegible] ... अठरी धी भस्म करि औरि आंच तीसप हर है ॥ ॥ गोदंती को सोधे आक के ... [illegible] ... धरि ... [illegible] ... सरवा मे नीनु ... उपर गोदंती को धरै औरि उपर नोनु भुरकै लगाठी दे उवल शुद्ध है ... [illegible] ... उपर मे ॥ ॥ असे ही संखी आदी भस्म होती है और हरताल पीरो और तबकी आ और सीघी यो नि ... सोधन या पोथी मे लिखी है ताको द

अब गोदंती की भस्म: ... [illegible] ... की पत्री लेवा ... [illegible] ... सरवा मे धरि आंच देइ तो भस्म निर्मल होइ असे ही ... [illegible] ... खारी नोनु ... [illegible] ... सरवा मे गो... उपर नीचे ... [illegible] ... आंच देइ तो ... [illegible] ... :१ ... [illegible] ... और आंच देइ तो भस्म होइ: २ और ... [illegible] ... आंच देइ तो भस्म निर्मल होइ: ३

काचनारत्वकल्कं मूषायुग्मप्रकल्पयेत् ११ धत्तूरनत्से
पुरेगोलंमरन्मूषासंपुटेवतत् निरुध्यसांधिरोधंचकृत्वा
ससोष्णकोकत्ले १२ वन्हिषुरतेरुकर्योदेवदग्धापुरत्रय
निरुत्थंजायतेभस्म सर्वकोर्येषुयोजयेत् १३ कांचनार
प्रकारेणलघुलोहंतिकाचनः ज्वालामुखीतथाहन्यात्तथा
हंतिमनसिला २४ अन्यच्च सिलासिंदूरयोश्चूर्णंसमोय
रर्कदुग्धके सत्येवभावनादद्यात्सोसयेच्चपुनःपुनः २५ त
तस्तुगलितेनाडे न्नकल्कोयंदीयतेसमः पुनर्यल्लेद्दिवितं
यथाकल्को विलीयते २६ एवंबहुनात्रयंदद्यात्कल्कं
भस्मतेभवेत् पारावतमलेर्लेपेदश्वकाकयाद्भवं २७